BENGA'LI' INSTRUCT

No. II.

জ্ঞানকিরণোদয়ঃ

खाशाद

বালকবৃন্দ বোধৰিধায়ক

বিবিধ বিদ্যা বিষয়ক বিরুচিত বৃত্তান্ত।

CALCUTTA:

PRINTED FOR THE CALGUTTA CHR'STIAM SCHOOL-BOOK 1843.

निर्घणे ।

May.	ITM	9	
>	अक्ष धन		>
Ł	विष्णांत (पाकान		9
	ক্ষিত্যপ্তেকোমরুদ্বোম'	• •	¢
8	कुकृत ७ निशान	• •	4
¢	वक्रामात्र विववन	• •	2
	गृगनमान (लाकरम्द्र वङ्गरम् चिथिकात		
	बृखाद्ध		પ્ર
1	भिधा कथात्र विषय		58
b -	কাল বিভাগ		3,9
	ৰন্ধুতা		
	म्यां आति भनन		44
	गर्भा		10
	विना विवशक नाना हिल्डालरमण		
	অমৃত		
	यिश्मी (लाकरनत नशक्तिश विवद्ग .		
	मनी		
	ইণ্রাজলোকদের বল দেশে আগমন ও		
	चिधिकात कर्म दृखांड		
>9	करानाथ		
	মহমান। প্রথম ভাগ		
	মহমাদ। দীতীর তাগ		28

সংখ্যা		निर्घ है	;			,	পত্ৰ :
१० धर्मविर	য়েক নানা	হিভ	डेश्राम			٠.	81-
২১ মহারা	नो विक्षेति	রা		• •			85
११ शृषियो	র বিভাগ		•• ••	••		• •	a s
২৩ মিজগা							
२ 8 भीवान	ও কাক			• •		••	æs
२६ विमाच	·	• ••				٠.	a a
২৬ মৃক্তাহে	[ব্ৰ			• •		• •	4
११ अस वृ	ইমাৰ কুকু	कद्र क	4 1	••	• •	• •	50
१४ वेका वि	वेरहरू नीपि	₹		• •			৬৩
१३ हिन्द्र स्	रबंद्र विव	র্ণ . •		• •		• •	58
७० (काम्राव							
०) शर्बंड.						• •	5 .
०१ श्रीकीम्	5			••	••		42
৩৩ ধর্মপূত্র	₹			••	-	•	94
৩৪ ধর্মপুস্ত	কের অন্ত	រាទ		• •			95
৩৫ আগাম	तम			• •	• •		þe
७७ बाह्म.		• ••	•• ••	• •	• •		5-2
०१ देखन न	াহাকর্ডা -			• •	••	• •	> 2
०५ ताई स	n	• • •	•• ••	• •	• •	••	> 0
०३ वानक	भागन	• ••	•• ••	• •	••	••	44
৪০ প্রহেলি	रा		** **	• •		• •	۶۲

खानिक्तरगान्यः।

১ গুৱ ধন।

ं अक शृहक् अञ्चलकारक जालन लाँह भूखरक नेगारा मिक्ट डॉक्सि रिनिन, (इ श्रिष्ट श्रुख तुकन, बांघात प्रवेशका विशक्षित, बापाद कार्य वार्यम, क्वांबानिशक श्रष्ठ कथाः वनि, काराष्ट्र कामास्मव मूर्ध वृतिरवः अर খনের উঠানেতে মাটির মধ্যে গুপ্ত ধর্ন আছে; ভোমরা यमिका लाना ७ क्या ७ मांना त्यू ७ व्यम्टहत डीफ् मा-ইবা। এই কথা বলিয়া পিতা প্রাণত্যাগ করিল। পুলের: डाहाटक मार्डि मिटन शब थे छत्त धन शाहेवात शबाहर्य ক্রিব া জোষ্ঠ বলিল, আইন ২, কয়ে ছাত দিয়া গুপ্ত वन जानी किन्न विशेष छाउँ दनिन, याप्ति याति अ কর্ম ক্রিছে পারিব না, কেননা এখন ধান কুইবার नप्रव, बंबन ना क्रवेशन क्रिकि व्वेदर। कात बक् क्रन बनिन, आमात्मक (ब फिनते। शाक् चारक, धारा (क कर्महित्व ; माप्ति श्रुना बाकूक, आभि त्वाक व्याहे । चाउ अक कर दिलल, माहि ब्रिइन कि ब्रेटन, चाउ धम भावेत्वरे वा कि नांचा आहि को बाबग्रवान शक-निन छ। व शाहेरक के का शाहित मारेग्राहि, बाह्र त्वाय एवं, देरहरू भग्न स्थान, कहन तब साम समृद्ध कि

आर्थनाक, चामि (थना कंत्रिए हारे। शेर्ट्स कनिये कुर रेजाकेटक-बिक्क, आहेम कामना क्रेड कर कामा जिल्लाहरू विक्रिक बावड केति। शहर बैदेईदेई ब्यालन ६ केटिन (सेन्) हैशाहा ज्या नकन कर्य छाड़िया ब्रहारेनद्र पारि सुनिहें লাগিল। অনেক শ্রম করিবে প্রতীহার। রুপাতে ভরা अक क्लून शानेन ; ठारात शृह् सारदत खर्ता चात अक क्रमम अरम् अत्मक त्रजू स्वक्रिय क्रमम अभवन स्वहरी कारावा वर्ष मस्य रहेगा भरत कतिक जाहे केलि (काश्चरक प्रतिन, चात (कम क्षेत्र कहिं, **चातक का**ख इहेल, आहिए, अहे गठल धन नहेंगा खामता जो लाग बार्ज यमिशा मूर्थ क्यन याशन करि। किन्न करिया कार्य कार्य केलिन. त्य अमृत जीत्वेत कथा निजा दिनशास्त्रम, लः त्यांधाः खाद्या ना शाहिल सामि काष्ट्र⁸ इडेत ना। **श**द्धः खादाद ভাই আরু লগ্ন করিতে না চাহিরা চলিয়া গেল। তা-চাতে ভোগ পুল্র একেল। অবিরক্তকিছ হইরা থু-निरस १ (मारत सम्मा) (य-समृत कारा माहेया बेरह राजा। काना हाति छाते तकह मुर्थ तकह मूर्य कीक्षेत्राश्रन করিয়া মরিয়া গেল, কিন্তু জোঠ অমৃত্ত ভোজন করিয়া অমের হ্টল |

(र शिश बान कराव अडे न्छे एउ । असे कि डाहा एत। छन्न धन रहे हाइक बिका। सम ना करिएन छारारक एकर शास बा। शहर जा डिएन हैंग विका हर, असन साम कृषि का ! असे शहर विकास का का का अर एक राजा स्वाह का बहा है कि स्वाह का का सा

२ विद्यात स्थावना :

ক্ষিত্র চাহের বা। তাঁহাকে মন দিলৈ তিনি আপান দুর:
ক্ষিত্রণ করেন। অধিক মন দিলে অবাঁথ মনোক্ষানা করিলে অধিক দেন, এবন অস্ন মন দিলে অস্ত্র
প্রাওয়া যায়, অভনুর হে বালকগণ, বিন্যাতে মন দেও,
আর অম করিরা পাঠ অভ্যাস কর, ভাহাতে ভোমাদের মধ্য হইনে। আর বিদ্যা কি দুব্য ঘেচেন, ভাহা
বলি খন, তাঁহার কাভে নানা প্রকার জান পাওয়াবায়।
প্রথমতঃ। ধর্মজান অর্থাথ দিখর কেমন, তাঁহার
ক্যা কেমন, জগতের সৃষ্টি, মনুষ্যদের পাপ, আনকর্ত্রা,
মুর্গ, নরক এই সকলের শিক্ষা

বিতীয়তঃ। নীতিবিদ্যা অর্থাৎ কি করিলে: ইম্বর জুট, জন, ইহার জান।

ভৃতীরতঃ। জ্যোতির্বিদ্যা অর্থাৎ সূর্য্য ও চক্ত্র ও গ্রহ ও ভারাগণ বিষয়ক শিক্ষা।

া চতুর্বভঃ। ভূগোল বিদ্যা অর্থাৎ পৃথিতীয় দেশ সমুদ্ পর্যান্ত নদী প্রভৃতির বৃত্তান্ত।

পঞ্মতঃ। পুরাণ ইতিহাস অর্থাৎ পুরেকালীন রাজ: রাজ্য ও নগর ও যুদ্ধাদির বিবরণ। ২০০

ষঠতঃ। পদার্ঘবিদ্যা অর্থাৎ পৃথিবীত্ব বস্তুক্তর উপ ও ভাত্যদের পরস্কর সমুর্ক বিষয়ক শিক্ষা। একটা সম্ভদ্যা অন্ধবিদ্যা মূর্বাৎ গণনাদি ক্লান।

कार्यक्र करा द्रावात्र शिक्षां शिक्षणाक्रियात्र स्थापनाक्रियात्र । अहे क्ष्मक्र प्रधान दिनशेष नद्रा स्थापनाक्रि, न्यात्र समुद्धाः द्रावान मृत्याच्य सन्द्राक्ष स्थापनाक्रियात्र क्रम्यः मृतिक কাছে নিদর্শন অগাথ নম্ন: লটয়া দেখো, তেমনি ঐ সকল বিদ্যার কথা নম্নার মত কিছুও এই পুরুকে পাওয়া যায়।

৩ কিভাপ ছেলে মনব্যান ৷

ক্ষিতি, অপ. তেজ, মক্ৎ, সেয়াম এই পাঁচ সপ্তুত শ-কেতে ভ্মি, জল, আন্ধন, বাভাদ, জনা স্কায়।ই হাদিগতে প্রভুত কলে। আর কোন প্রি-চলোক সলে, প্রিবীতে যত সমুদ্ধী হয়, সকল এ প্রভুত হইতে উৎপন্ন।

১। কিভি অর্থাৎ ভ্না, তাহা মন্যাদের ও পাল ও পালিদের বাসন্তান। ভূনির মধ্যে পাথর আছে। বন্ধ দেশে
প্রায় পাথর পাওলা যার না, ভিন্তু যে দেশে পর্বাহ থাকে,
দেশী দেশে পাধরের অভাবে নাই। ভূমর ভিচরে পোহা,
শীশা, ভামা, রুপ, শোধা ইভাদি নান। পুকার ঘাছু
পাওয়া যার। আরে ভূমিক্টকে আস ও নানা দকার
ভোট বভ গাছ উৎপন্ন হয়, এবং গাল ও নানি দকার
ভোট বভ গাছ উৎপন্ন হয়, এবং গাল ও নানি দকার
ভোটি বভ গাছ উৎপন্ন হয়, এবং গাল ও নানি করে পুভতি
ভানিয়াতে, কেননা পরমেপ্র সৃত্তিকালে বাহিলেন,
পিথিবীতে গ্রামা ও বনা পত্ত ও ভারাগানি জর পুভতি
নানা জাভীয় ভন্তবর্গ উৎপন্ন হউক; তাহাতে সেই রূপ
হলা। এবং মনুসোর শরীর ও মাটির শরীর, বঙ্তেরুক
পরমেপ্র আদ্মকে সৃত্তি করিবার সমধ্যে মুভিক।ভারা
ভাহাকে নির্মাণ করিলেন।

् १। अल वर्षा जन। जलाउ जीवज्ञार रा छल-

কার হয়; ভাহা না থাকিলে নকলি অস্ত্র কালের মধ্যে কুফাতে মরিয়। যাইত, আর জল যদি না থাকে, ভবে শরীর মলিন হউলে পরিস্কার করা যায় না, এবং জল না থাকিলে কোন খাদ ও কোন শদা ও কোন গাছ হৈতে পারে না। দকল জল দমুদ্দুতে একতে হয়! দে দমুদু পার হউতে গোলে তিন চার মাদ লাগে, আর ভাহা এমন গভীর যে তানেক স্থানে পাঁচ হাজার হাত লহা বজ্তে লোহা কি পাথর বান্ধিয়া জলে কেলিলে ভলাতে লাগে না। দমুদুহইতে মেঘ উঠে, দেই মেঘ বায়্ধার। পৃথিবার উপরে চালিত হউলে ব্লি হয়, রুফিতে নদা ও পুত্রিনা ককল জলে পূর্ন হউলে মনুষা-দের মহা উপকার জরো।

ত। তেজ অধাৎ অমি। আন্তনেতে রক্ষন হয়, ও শীতকালে শীত নিবারণ হয়, ও তাহাতে লোহাইডাাদি পাতু
গলিত হইর, ফাল ও কোদালি ও ছুরি ও ঘটি প্রভৃতি
অতি আবশাক দুব্য সকল হয়। এবং মাটিতে কলসী
ইাড়িইতাাদি গড়ির: আগনে দিলে অতি শক্ত ও কর্ম উপযুক্ত হয়। কেবল কাঠ এড় নাড়া আলাইলে যে আপ্তন
হয় ভাহানয়, কেননা কড়ের সময়ে আকাশে যে বিদ্যুক্ত
দেখা যায়, দেও এক অমি বিশেব, এবং কোনং দেশে
পর্বত হইকে অমি উঠে; এমন পর্বত্বে বাড়বানল
পর্বত বলে।

৪। মরুৎ অর্থাৎ বারু দর্মস্থানে থাকিলে চক্তে দেখা বার না, কিছু ভাছা এমন আবশ্যক গুৱা, বে ভাহার অভাবে জীবজন্ত তৎক্ষণাৎ সরিয়া যায়, কৃষ্ণ মান হয়, আমি নিবিয়া যায়। মনুসা ক্ষণে ২ বাষ্ ভক্ষণ করে, ভাছা প্রখাদ বলা যায়। বায় স্থির হউলে ভাষার শব্দ জনা যায় না, কিন্তু অস্থির হউলে ভানা যায়। বাভাদ মন্দাং বহিলে শরীরের অভান্ত সুগদায়ক হয়, কিন্তু প্রসন্থ ইলে বাড় বলে, ভাছাতে কথন ২ ঘর ও গাভ নইট হউলে মনুষাদের বড় ক্ষতি ভব্যে, এই দেশে গ্রীয়াকালে পুরুর শাভকালে উত্তর হউতে বাতাস বহিয়া গাকে।

৫। ব্যোম ভাপতি শ্না কাছাকে বলে, না, দকল বস্তুর অভাব। অর্থাৎ যেথানে মাটি নাই, সায়ু নাই, কল নাই, কিছুই নাই দেখান শ্না আছে, অতএব শ্না কোন বস্তু নহে।

এই পঞ্ছুত অর্থাৎ মূলবস্তুর কথা আনক শাস্ত্রেতে লেখা আছে, কিন্তু উৎরাজী প্রধান হ পণ্ডিতবান পদার্থ সকলেন পরীকা করিয়া দ্বির করিয়াছে, যে পৃথিবীক্তে প্রায় ৬৪ প্রকার ভূত অর্থাৎ মূলবস্তু আছে।

৪ কুকু**র ও শিয়াল।**

কোন দিনে এক কুকুর আপন কন্তার গৃহ ত্যাপ করিয়া বনে ভূমণ করিতে গেল ও দেখানে এক শিয়া-লের সহিত তাহার দেখা হটল। শিয়াল বলিল, কেমন আছ কুকুর মহাশয়? কুকুর বলিল, আমি ভো ভাল আছি, ু <mark>ক্মি কেমন আছি? শিহাল বলিল, আছি ডাল: হে মহা-</mark> শয়, তোমার শরীর হাউ পুষ্ট ও তোমার চুল সুন্দর চিকন দেখিভেভি, ইহার কারণ কি ব্রি দুখে কাল काष्ट्रीख । कुकुत निलम, दी, आधात कर्जीत घटत मृत्य আছি, কোন কয় করিতে হয় না, কোন শ্রম নাই, আর দিনে ২ গথেষ্ট ভাত থাইতে পাই, ও কথন ২ সমস্তুদিন খুমিয়া থাকি: আঘার দঙ্গে যাইবা চল না ভাগাতে আমার যে গড়ি তাহা তোমারও কটবে: শিয়াল विनेत, आहाः कि विनिन्ना, अलन मृत्यद कथा छनिया ভোমার महा याहे एक का भारत প্রায় है छ। इस किन सुन এই দেশ ভোমার গায়ে এক ঘা আছে, এ কি বলঃ কুকুর বলিল, এ কিছু নয়, সে দিনে আমি কন্তার থা-লাতে দাজান ভাত দেখিয়া খাটতে লাগিলাম ভাহাতে কর্ত্তা তাহা দেখিয়া লাটি লইয়া লামাকে মারিয়া তাড়িয়া দিল শিয়াল চলিল, অন্য কেখন সময়ে এমন অপমান পাইয়াছিল।। কুকুর বলিল হাঁ, পাইয়াছি বৈ কি, বার্থ মারি থাই ও কর্ত্তা আমাফে ভাত ভালার উপরে না দিয়া কেবল উচ্ছিন্ট ও মাছের কাটা সকল কাদার মধ্যে ফেলিয়া দেয়; কিন্তু ভার্তে কিছু ভারি না; সান কি, অপমান বা কি: পেট ভরিয়া থাইঙে भावेत्ववे अ नियुद्धां श्वांकित्व भावेत्ववे हरा। य कशा **উনিয়া শিয়াশ এক দিনে দরিয়া কুকুরকে বলিল, তবে** আমি কথাৰ ভোমার সঙ্গে গাঁটৰ না্বর্ণ মর্ণ ভাল অপমান ভাগ নয়: ভূমি পরের উচ্ছিট্ট থাইয়া ও পরের

महिन कारणा मूथी रेख, यामि कारारता नाम ना रहेका बंदन कार्किया यागन साम यादा उपार्जन कति, ठार्का बाहेया यागन मान तका कति, याद यागनात कर्का बीजनि रहे। य कथा विनया गियान हिनया स्त्रम। यहें बिह्म कार्या करें।

জ্বকার মানুষের আল্লফলইরা নিম্বর্মে থাকা ভাল নর। হে ভাই, ভাহারো কাছে কিছু ভিক্লা না চাহিয়া সাম্বর্ প্রাক্তিয়ান কর, ভাহাতে ভোমার মলল হইবে।

वस्टाम्टलङ विवद्गा।

विकासित विकासित दियानस्थलं भूखनीया व्यान्ताम उ तुल्लाम, मिल्नियोया समृत, शिल्यामा तदहात (स्म । तक्ष्या क्ष्या क्ष्या १०० (क्षाम स्म । तक्ष्या क्ष्या क्ष्या १०० (क्ष्याम स्म । तक्ष्या क्ष्या क्ष्या १०० (क्ष्याम स्म । विकास क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्

तम्पान प्राप्त अपूर्णात २०,०००,००० अर्था श्रीका विकास विकास विद्या किन्न अप्रत कार्या करिया करि

महरतरण व मरत काल श्रधान किय नगांद्र कारक ,) अजिन काला: अहे दुसर कारी हमी हमीत लीटन क्रिक काकि हस्य इन्स्थानी, इसे नज़द्र में रहेंद्रेज (क्रिक्न क्रार्थात स्थलक्रेस सूर विश्वाद्यात नगर किलिकांका स्वेट्ड ६० (कार्य उत्तर द्वार जनदम्बन प्रश्नाद स्वालक व नगर पूर्वकारक बाजधानी किल, जात वस्तर रमवादन नगर कर्म प्रश्नाद बाका दान करते, किछ (म न) कि स्वास प्राच के क्ला, तोककोग्र एकि हासार किछू बास्त

विकारत भूति व नवाउ वहरमान भूति वर्ण क्राणिक।
त्वारत भूति भागावाड अक कर नवाव किन, क्रिक त्वारत भूति भागावाड अक कर नवाव किन, क्रिक त्वारत भूति भागावाड अक कर नवाव किन, क्रिक भूतिकारन नवाति भागावाड क्रिक नवाति वाहरू क्षाकाड त्वारकाव यावक वाहरू कर क्रिक क्रिक वर्षमान कारन त्वार वाविद्याद क्रिक क्रिक

भूगहरू विकास अन्य के किया है। वहारिक

90

श्रीय अक्षेत्र र ब्राह्म व देना, श किन्न देवरण प्रजनस्थान welt gen die ue tie fer mie geffen कि बार्ग के ताम दिया की विन्तारिक ুৰ্গৰ ভাৰাৰ মনুষ্টা ছিল,কিন্ত ছাহাৰ **নাক** বৃদ্ধি বেলিছ कुन्य प्राक्त कार्याटक करम देखक र अब दे समाव निक क्रिन, अब क्ये श्रीवाबी एनरिय प्रश्नवक रनवरश कि लान लाहेब। अध्यक तन बन कहिन, बाहारक लाहार के जाबाद काँब के जामने कनिया किया है। अपन महिल न्यविष्म, बाजाबं कानारे स्ट्राइ। स्थाब श्रे के अञ्चरिक नार्तिन, व बादाशक्तिमान कृतित एके। कृतिन। 'देकान किरत में करता वाजिंगणाट विस्ता वूक्की वार्व स्थान लाडित नाइन व अवाक्टमत क्या क्याबन कतिहा ता-क्षीरक हिला । श्रीमात मान दुक्तीहारवह मानीम वस छ मध्य बारक अपन क्या व्यानत्क वाम द्वार कि वामका छोड्रेक श्रांक श्रांत क्यन मिया की, कार्यात सित वर् स्थि (नन, जरव आमहा अन शाजीदन मान्हिंग क्राम्बह अहित जानात्वक महिलाउ युक्त कराहे, कारीट क्रीराई कुष वन चारा कामा वहिरव। कुरू काम देश दे अधिक क्षिम। नद्ध पाराहा वक यह रहिएक त्रामेश्वाहत नमूर्य छाड़िया मिना, (में होती नामाचित्र स्टेशा

ভুলিয়া ভাছার শূঁড়ে এমন আঘাত করিল,যে হস্তী ঘোর-তর গর্জন করিয়। পলাইল। বুক্তীয়ার এই প্রকার জয়ী হওয়াতে ভাহার শত্রুরা অভান্ত লজ্জিত হইল, ও রাজা তাহার আরেও আদর করিল এবণ ডা-ছাকে প্রধান দেনাপতি করিয়া বঙ্গদেশ জয় করিতে আজা দিল। বৃক্তীয়ার বছ দৈনা সঙ্গে লইয়া বঙ্গুৰেশ जर कि एक राजा कतिन। (म नप्रत्य नक्षन्तन उन-্দেশের রাজ। ছিল, আর দেনবছাপে বাম করিত। মুসল্মানদের আগমনের সংবাদ গুনিয়া রাজার অমাতা ব্যক্ষণেরা আদিয়া নিবেদন করিল, হে রাজন্, কোন मन्नर्थ यदन द्राका चानिया रक्षरम् चरिकात कतिरत. काभारमञ्ज धर्मातुरः अभन अक छविषाश्वांका चार्छः সেই সময় এখন উপস্থিত, অভএন মুদ্ধ করা নিমূল, আ:-পনি পলায়ন করে। লক্ষণদেন রাজা ভাতি বৃদ্ধ ও দুফল ছিল, এই নিনিতে তিনি তাহাদের পরামশ গ্রাহা नः कविया नवनोर्ध शांकिष्ठ स्थित कविन। भरत (मह বাক্তবরা এবপ রাজবাটার অন্যান্য প্রধান ব্যক্তিরা আপন ধন দম্বতি রক্ষা করিবার জন্যে ভাহা নৌকাতে राकाइ कविश উड़िया। (मर्ट्स शांकाइन। तब्दरमोह इक्ति ଓ तांकश्वेद्धराता अपन शैनमाहम इउग्रास्त বুক্তীয়ার কোন বিলুনা পাইয়া নবছাপের নিকটো উপস্থিত কইল। পরে সে আপন সৈন্য সকল নগরের वाहित्व वाधिया (कवन ১৭ जन महत्र नहेंया नतत्र -প্রাংবশ করিল, এবং রাজবাটী পথ্যন্ত গিয়া ছার্রক্ষক

দিগকে সংহার করিল। লক্ষণদেন দে সময়ে ভোজন করিতেছিল। পরে লোকদের চীৎকার শুনিয়া এবং শুরু আনিয়াছে, ইহা জাত হইয়া, দে উটিয়া আপন শুরের পশ্চাদিনে গবাক্ষার দিয়া পলাইল, এবং কুদু এক নৌকাতে চড়িয়া এমত বেগে গেল, যে জগন্নাথকেতে উপস্থিত না হওন পর্যান্ত নৌকা এক বারও লাগাইশ না। ইহার মধ্যে মুললমানদৈনা নগরে প্রবেশ করিয়া খাহাকে পাইল তাহাকে সংহার করিয়া ঘরে ২ গিয়া-লুচপাট ও অত্যাচার করিল, কেহ তাহাদিগকৈ বারণ করিয়া না। এই রূপে বঙ্গদেশের রাজা পলাভক হইলে চাহার সংস্থানী কেবল নয় সমস্ত দেশ অল্প দিনের মধ্যে মুললমানদের অধীন হইল

৭ মিখ্যা কথার বিষয়।

রামজয় বালক দেখিতে সুন্দর ছিল, এবং তাহার মারাপ ভালাকে অভিশয় প্রেম করিত, কিন্তু রামজয়ের একটা বড় দোব ছিল, দে বারং মিথা৷ কথা বলিত: ভাহার গুলার উন। রামজয়ের পাঁচ বংশর বয়স হইলে ভাহার পিতা ভাহাকে পাঁচশালাভে পাঁচাইল, আর সে-খানে দেক, থ, ক্ল, বানান, ফলা;ইভাাদি শিক্ষিতে শানিল, কিন্তু শিক্ষাতে ভাহার বড় মন নাই, সে কেবল থেলা করিতে ভাল বালিত। কথনং দে অভি বিলয়ে পাঁচশা-লাতে আলিত, ভারে যথন শিক্ষক ভাহাকে জিজালিত, হে রামনয়, এড বিলয় কেন, তথন দে মিখ্যা করিয়া बनिष, बामात शिष्ठा बामात्क भीष् बानिष्ठ (एव मार्डे, किया, जाप्रातक टाजादि याहेरिक इहेन। कान १ मिन क আল্লা করিয়া একেবারে পাঠশালাতে আলিং ন',আর ভাছার পর দিন আসিয়া বলিত, কলা আমার ব্যামহা হুইয়াছিল,এ নিমিত্তে আসিতে পারি নাই। শিক্ষক ভাছার क्षत्र विश्वान कविया जाहारक भासि मिछ ना जाहार छ মিধ্যা কথা কৰিতে ক্ষেথ বামজায়ের সাত্র বাড়িল: সে জানিত না, ইখর মুর্গাহইতে তাহার প্রতি নিভাং ষ্টি করেন, আরু ভাছার কথা সকল ওনেন। কথন ২ রাম-ভয়ের পিতা ভাছাকে পয়দা দিয়া সংস্থার করিকে পাঠাইত, ভাহাতে দে দুষ্ট বালক পিতার পয়সা চুরি করিয়া মিটাই কিনিয়া গোপনে ধাইত পরে আসিয়া विनिष्ठ, चाजि पुता नकन वर मुर्मुना, शश्मात श्रासक्नाय না অনুই তরকারী আনিয়াছি। তাহাতে পিতা তাহার কথাতে বিশাদ করিয়া ভাষাকে শামি না দেওয়াতে দে মিখ্যা কথা কহিতে আরও লাহ্স পাইল, সে জানিজ না, যে ঈশর ভাহার প্রতি দৃষ্টি করেন, ও ভাহার কথা नकन उत्तत। भारत प्रामुख इहेरन द्वाप्रकर (नाकाब कतिया लिक्किनिशतक विद्युत काँकि मिर्ड लाशिल, नवरंश वानि मिणारेका वनिक, अ थांकि नदव, महमारङ हाउँन सँशो निया बनित, अ छेल्स भवना, काब निता अक अब লাহেব ভাহার দোকানে আনিয়া জিজালিল, এ কলার प्रमा कि, दाप्रकर विश्वम, व नारश्व किन्हें जारत की,

ন্তন আলিয়াছে, ভাহাতে লে বলিল, লাহে্ড ইস্কো ্ষাম এক ব্ৰপেয়া: সাহেৰ তথ্যি এক টাকা কেলিয়া बिहा अक कामि कना नहेगा तान, हात्रजर होका नहेना ক্ষিল, এবার বড় লাভ করিয়াছি, কেমন ভাছাকে ইকাইয়াছি:কিন্তু সে জানিত না, ঈশ্বর বর্গহইতে তাছার প্রতি নিতা ২ দৃটি করেন, আর ভাষার কর্মা সকল দেখেন **७ कर्या नकल स्थान । त्रांत्रकर विद्या क्या क्रिट अधन** किर्पूर ଓ मठर्क छिन, य कथन धना शक्रिक का, खान আছমেং সে ধনবান ছইয়া উচিল। অপার সে দোকান ছাড়িয়া এক ভালুক কিনিয়া জমিদারী করিতে লাগিল, কিছ ভাহার কৃষভাব সারিল না: কেননা সে আপন প্रकामित्रक অভিশব मृश्य मिन. (म काशांकिও जानशंख লিথিয়া বলিড, ভোর পিতা আমার যে টাকা ধারিত, তা দে, না দিলে তোর ঘরছার বিক্রেয় করিব, দুঃগ্রী পুরু कि कतिएक शांतिक, नामिश कतिएक याज नाहे, पिटक श्रेष: अना अवरक (म विविद्ध: अम्क तरहात कत वाकि चार्छ नित्व इंडरेंद, चात श्रुका यमि मिहे तरनात्त्र करक দেখাইত, তবে সে বড় বাগকরিয়া ভাহা চিবিয়া বলিত, একবজ জাল কবজ, তুই টাঙ্গাদে, এখনি দে: স্নারা নিলে তোর সর্বনাশ করিব। এই প্রকার নে **অন্নেক** টাকা সঞ্জ করিয়া অভিশ্র ধনবান:ছইলা কিন্তু ঈশ্র ৰৰ্মহইতে তাহার প্ৰতি দৃক্তি করেন, ও ভাহার কর্ম नक्न (मृद्धान, के क्या नक्न एटनम, कांद्रा नामका विरवण्याः कतिष वाश्वास्त्रक् मित्र शहरः त्रांप्रकारहरः मृथ्यः হইল, তাহাতে মৃত্যুর দৃত আলিয়া তাহাকে নরকে নইয়া গেলা বাইতে ২ রামজয় ঐ দৃতকে জিজালিল, তৃষ্টি আমাকে কোখায় লইয়া যাইতেছ; দৃত দলিল, নরকে লইয়া যাই, কেননা আমার প্রভু এই আজা দিয়াছেল মিখ্যালানা লোক আমার মুখদর্শন করিবে না, আলি তাহাদিগকে অতিশয় খুনা করি, তাহাদিগকে নরজেল আধ্রনে কেলিবা। ইহা তানিয়া রামজয় কাঁদিয়া বলিল, হে মহাশয়, এবায় জয়া কয়ন, আর মিখ্যা কহিব মুদ্র বলিল, আমার প্রভুর আজা কথন অন্যথা হইছে পারে না, ও রে দৃত্য নারকি মনুয়্য, যাও, নরকে মুম্মের্ম ফল ভোগ কর, আর ভোমাকে বলি, নরক হইতে, তুর্মিকথন উদ্বার পাইয়া না, তৃমি অতি অল্প সাম্মারিশ লাভের জন্যে পরকাল নউ করিয়াছ; তোমার বজনার শেল হইবে না, ও কথা কহিয়া দৃত ভাহার হাতপা নাম্মিরা ভাহাকে আধ্রনে ফেলিয়া দিল।

হে প্রিয় বালক, মিখ্যা কথা কথন কহিও না, কেননা ঈশার বলিয়াছেন, মিখ্যাবাদী লোক নরকগামী ছইকে যথন মিখ্যা কথা কহিবার ইচ্ছা হয়, তথন ভোমরা ন্যুর্থ করিও, যে ইশার ভোমাদের প্রতি দৃষ্টি করেন, এবং মিখ্যা কহিলে নরকে যাউতে ছইবে।

~ 55 ~

৮ কাল বিভাগ।

ইৎসঞ্জীয় লোকেরা আরু অনা ২ ইউরোপীয় লোকের কিপ্লকারে কালের বিভাগ করে,ভাহা ভোমানিগকে ফলি এক দিবারাজিতে ২৪ ঘটা হয়। সেই ২৪ ঘটা দুই
হৈরে রাজি অবধি গণনা করে, ভাহাতে দুই প্রহর দিন
কর্মান্ত ১২ ঘটা হয়। দিবলৈর বিভার প্রহর অবধি
কর্মার ১, ২, ৩, ৪, ঘটা গুণিতে আরম্ভ করে,
কর্মারে রাজি দুই প্রহর পর্যন্ত ১২ ঘটা হয়। এই
ক্রেনার দুই ১২ ঘটাতে ২৪ ঘটা হয়।
ক্রিকার ঘটা ৬০ ভাগেবিভক্ত হর, সেই ভাগের নাম মিক্রিকার বান ভোট হইলেও আরবার ৬০ ভাগেবিভাগে
ক্রা ঘার, ক্রেবার নাম সেকও, ভাহা এক নিমিষ মাজ।
ক্রিকার করে কর্মা ৩১ দিনেতে কথন বা ২৪ কিয়া ২৯
ক্রিকার এক মাস হয়, আর ১২ মালে এক বৎসর হয়।
ক্রিকারে নাম ও ভাহাদের দিনস্থ্যা এই ২।

*% कानूराति, ७১ मिन। २ किकुशाति, २৮ मिन।

७ मार्ग, ७১ मिन। ८ अप्रिक्त, ७० मिन।

৫ मि, ৩১ मिन। ५ अप्रैन, ७० मिन।

१ अप्रकाहे, ७১ मिन। ৮ खाति छै, ७১ मिन।

१ अप्रकाहे, ७० मिन। ४० खाटकावत ०১ मिन।

१ अप्रकाहे, ७० मिन। ४० खाटकावत ०১ मिन।

ক্ষেত্রারি মাণে কেবল ২৮ দিন, কিছ তিন বৎসরান্তর

শাসের ১ দিন বাড়ে, তাহাতে ২১ দিন হয়, ব

শীবের নাম মলদিন, আর যে বৎসরে মলদিন হয়,
কাহার নাম মলবৎসর; ই৭ ১৮৪০ শাল এক মলবৎসর

শোল, আর ১৮৪৪, ১৮৪৮, ১৮৫২ শাল মলবৎসর

ক্ইবে। এক সামান্য বংসরে ৩৬৫ আর মলবংসকে
৩৬৬ দিন হয়। পৌষ্মাসের ১৮ দিনে ইৎরাজী বংসরের
প্রথম দিন হয়। ইৎসঙীয় আর অন্য ২ থ্রীউমভাবস্থি
আভিরা বীষ্ট থ্রিটের জন্ম অবধি বংসরের সংখ্যা করে,
ভাছাতে সেই সময় অবধি গণনা করিলে সমুভি ১৮৪৩
বংসর হইল।

२ वसूरा।

সিজিলি দেশে দিংনিস নামক এক রাজা ছিল। সে ्तफ मुक्के छिन, अत्य आश्रम श्रकारम्ब छेश्रद्ध अख्यिक मोहांचा कहिल, खाद माय ना शाकित्मं अदनक त्यान ককে সংহার করিতে আজা দিত। কোন দিনে রা**জা**ঞ্জ দালেরা এক ব্যক্তিকে ধরিয়া তাহার কাছে আনিয়া বলিল, এ ব্যক্তি ভোমাকে বধ করিতে চেক্টা করিভেছে। वांका विनेन, इंशांक कांनि (१७। 4 वांक्तिव साम माप्तन ছिन। शाद जारादा जारात नजेश याहे (अधिक्र, এমন সময়ে দামন রাজার সম্থে বাড়ছাতে দাড়াইয়া निरंगन कहिल, हि ताजन, आधाद अक्षी श्रिम्रस्टर्भ কন্যা আছে, দে লাগুভা হইয়াছে, কিন্তু ভাছার বিবাহ হয় নাই, আপনি অমুগ্রহ করিয়া আচাকে বাড়ি বাইছে দিউন, আমি তাহার সহিত আর বার দেখা করিয়া ভাহার,বিবাহ দিয়া ফিরিয়া আসিব, আমার বাঞ্চি এথাৰ স্ইতে এক দিনের পথ; আমি আজি গেলে ভিন দিনের পর ফিরিয়া আসিব। রাজা বলিশ, ও রে 🗱

भागाइएक (इकि) कब्रिएक मिरखीध, लामाव कथा। সানিব। দামন বলিল, ছে রাজন্, আপনি যদি বিখাস ন करतम स्टब सामात अथारन अक वक्त सास्त्र, रन सामा खिडिनिधि इडेब्रा जाशनकात काएए वस थाकित्व, जा ৰদি তিন দিনের পর ফিরিয়া না আইদি, ভবে আপা 'खाबाव পরিবর্তে ডাহাকেই ফাঁদি দিবেন। রাজ বলিল, ডোমার কি এমন এক বস্তু আছে, লে কে ও ে কোথা, ভাছাকে ডাক। দামন বলিল, ভাছার নায পিডিয়ান, ও দে এই নগতে বাদ করে: ভাহাতে বাল এক দৃতকৈ পাচাইয়া ভাহাকে আনাইল: শিভিয়া আসিয়া ভাবে বৃত্তান্ত শুনিলে ব্লাজা ভাষাধে জিল্পাসি चुमि कि मामरानव श्रीकिमिधि रहेगा। तम छेन्नद्र कतिम् 🕻 গ্ৰহারাজ। রাজা বলিল, ভোমার বস্থা তিব দিব পরে না আইলে আমি ভোমাকেই কাঁনি দিব। শিতিয়ান ছিলিব, যে আজ্ঞা মহাশয়। পংর রাজা আশ্চর্যা জ্ঞান করিয়া ভাছাকে কারাগারে রাথিয়া শক্তরণে রক্ষা कॅब्रिट खाळा मिन, ও माममटक विमाय कविन। मामम भीष वालन वांगीरक निया कनाव विवाह मिल ଓ जारे বন্ধদের দহিত দাকাৎ করিল। ভাছারা ভাছাকে हाथिए अरनक यञ्च कृतिल, किंद्र मामन छाहारमञ्ज कथा ধা মানিয়া পৃতীয় দিনের প্রাতে ফিরিয়া গেল। যাইতে ২ মতিবৃষ্টি হইল, ভাহাতে দামন কোন নদীর কাছে মানিয়া দেখিল, পুল ভাঙ্গিয়াছে ও নিকটে কোন मीका मार्डे, भारत रम किछू प्रांख मास्यह मा कतिया जरम

ब्रांस स्था नामुक्तिता भाव प्रेन। दशे भाव प्रेन बीक्षांटक जरू वन विद्याल्याहरू इहेम, त्म वटन श्रदेश कड़िया ता मृत्य पूरे कव ममूह्त तिथिए भारेमधु ভাহার। গাছের আড়ে ছাটি বনিরাকে, তাহাতে দে জ পাইরা ফিরিরা পলাইতে উনাত হইল, কিছ ভাষাই বন্ধুর দশা ভাছার মনে জাগুৎ ছওয়াতে দে আর বন্ধু সাহস করিয়। মগ্রে গিয়া আপন লাট তুলিরা ভাহাদিগরে ভাদিয়া পার হটল। পরে ভাহার কিছু বিশ্ব হটবাছে हिहा (पविहा तो भोड़िएड मानिम: अवडहे-मुर्थ प्रार्थ बहु रहेरक मृत्त बाकिया-ताबात वाणि स्विधिक गारेश क्किंटि तम बाहु अविद्या ताम ; किथिए नरहः त्यांबिमेंहे নগরবারের নমুখে অস্থা লোক অড় হইভেডে, স্লারু अक कीनिकाठ केंग्रेन किशाद्य: डाइस्ट का बाद्रा ৰেণে পৌড়িল; নিকটে আদিতে ১ লে পেখিল, ভাষায়া विविद्यानत्क नाश्चिता कानिय काटल नहेग्रान्याहेटलेटल ক্সভাহার পলারাক্ডি: বিভেছে। তথন নাক্ষ্মতিক্র विन, याक २ अहे बाप्ति २ काप्ति बानिवाहि, वापारकेर কাঁদি শেষ, আনার বনুকৈ ছাড়িয়া দেও। কাঁকথা विनिशा मक्का लाक चाराव श्रुक्ति हाहिए नाशिक्ष बनाम ७ इतिछ इरेश्या नारत व्यवस्थान स्मिन्ति ताबाई काटक चानिता अनाम कहिया बिनिन दर्भशादाक कमा करन, जाघात रिज्य हरेगारह, लेख वह विशव हरेजा-ছিল; ভাহানা হইলে শীঘু আবিভার। পরে রাজা मिकि भाषार्था स्थान कतिहा बनिष्याना विषय अपन्यक्रि

हुई बंद माप्ति कंबन (निब नाई; एर नीमन, एर किविहान, ভীমরা যে বছনে প্রস্তুর বছ আছু, সে বছনৈ विभिादक वस कता शहर त्रांका हुई जनता स्थित व्यक्तिया का जिला मिला।

১০ সূর্য্য সার প্রমা

े क्यांन जितन मुर्या ७ शवन खाकारण बाकिया शवज्ञत विवाद कतिल। भवन विलेश, आप्ति श्रथान, किस न्ही कृतिन, का बाधार विश्व यन बारक ; रम्भः वे शासि পৃথিবীর উপরে এক ব্যক্তি বাইতেছে, ইছার গ্রান্তে বিবিত্ব আছে, তাহা ভূমি ধ্বাইতে পার? প্রন বলিল, হাঁ পারি, একবার দেখ; ভাহাতে সে ঐ ব্যক্তির উপরে बहित्क नातिन, शाद थे बाक्ति जानम वस हार्रंड भविद्या ताथिन। ७४म शतम चाइकं भक्त हाल वहिरस्कालीन कारा तिथिया ता वाकि बात ७ सक तत्त बानस वस र्वतिम । भारत भवन तातानिक इन्हें में के किया वर्निक লাগিল, ভাহাতে বুক্ষ ভালিয়া পদ্দিল ও মৃহের ছাত है किया तान, विश्व ने वाकि सानम तन गाता सकाहेता हुई शास्त्र श्रीतम, रकान श्रमाञ्च श्रीकृत नान सरस्यस्य भवन कोड रहेना मूर्वारक विनिन, बामारहर्ट रहेरब मा, जुमि (हक्कें) कर शिथा। शहर कड़ क्ष्मान निर्व रहेरन 🕦 মেঘ গকল উদ্ভিয়া গেলে স্থান্তি প্রকাশ হুইমানে ছাহার বারণে পত পদি সহল আন্দিত হ্**ইল**়ঙ

1

নিয়া দকল আপন খর হইতে বাহিরাইরা আপন কর্মেনিন। পরে দেই পথিক বাতাদকে নিবৃত্ত ও আকাশকৈ ধর্মনিল ও দুর্যাকে প্রকাশিত দেখিরা নিশিষ্ট হইরা শ্রেকে আল্গা করিল, এবং ক্লেক কাল পরে তাহার বিশ্ব বোধ হওয়াতে বস্ত্র গুলিয়া কান্তে রাখিল। এই কোরে দ্র্যা ভ্রা হইল, কেননা রাগ ও বল্ডারা বে কার্মনি হত না, ভাহা মূলু ও কোমল ব্যবহার ছারা ক্সা হইতে পারে।

३३ नका घील।

হে বালকের), ভোমরা সকলে লন্তানীপের কথা ন্তানিয়াছ। হিন্দুরা গল্প করিয়া বলে, পুথে দেখানে রানণ রাজা ছিল,ও সীজা আনেক দিন বাস করিয়াভিল, ও এখন ও বিভাষণ রাজা আছে, ও দে দ্বীণ স্বর্ণময়। লক্ষাদ্বীপের সচা রভান্ত আমি এখন কিছু বলি। লক্ষাদ্বীশ কলিকাতা হউতে বড় দূর নয়, জাহাজে চড়িলে বদি সুবাভাল হয়, তবে ছয় দিনে দেখানে হাওয়া হায়। দেই দ্বীণ এখানহইতে কিল দক্ষিণে এবং ভাহা ১৪০ কোশ লম্বা ও ৮০ কোশ চৌড়া ও ভাহার আকার প্রায় ভিমের ন্যায় গোল কিছু কিঞ্চিৎ লম্বা। দেই খানকার ভূমি সমুদ্রে ধারে ২ নিলু ও উর্জ্বা, ভাহাতে নানা প্রকার শস্য ও নারিকেল ও অনেক দাক্রিনি উৎপত্ন হয়, কিছু দ্বীপের সধান্তান অতি পর্যত্ময়। আর

তথাকার পর্যাত সকলের মধ্যে ৬৭●● ফুট উচ্চ আং-র পিক নামক এক পর্বভশৃত্ব আছে, সেই শৃত্বের চুড়াংক পরিষ্ঠরের মধ্যে এক মনুযোর পদ্চিক্রে ন্যায় এক স্কান দেখা যায়, সেই পদ্চিক্তের নাম প্রীপদ্ ও সেইখারক 💡 লোকেরা তাহাকে বুদ্ধের পদ্চিন্ন বলিয়া ভীর্ণরূপে মান্য করে। পদ্ধাদীপের বায়ু অধিক শীক্ত ভপ্ত :: হওরতে সুধাও বাদ্যদারক হয়। এ বালের নিকরে नम्र्तुत मध्य शृर्ख चानक मूका ভোলা गाइक, किः সমূতি এ বাণিক্যের কিছু স্থাস হটবাছে। লঙ্কাদীণে প্রায় ৮০০,০০০ মধুষা বাস করে, ভাছাদের মধে व्यानारक मुकार कारायों, किन्छ मिर्देशास कारनक मिन व्यवप्र श्रीकित धर्म श्रवाद र वदारि खरारक श्रीक्रीवान र है हारिल् **उ इडें(क्छ) यत्ने प्राथा उ भर्धा इत छेभाव (वहा** অর্থাৎ সাধি নামক এক জাতি বাদ করে, তাহার। অভি अन्या প्राप्त शेखह जूना नावहात करते. (कनना जाहाँका निविष् तत्न ७ भव्यत्त्र त्रकृत्त् ताग कविश खना प्रमुशास्त्र **पिथित।** प्राप्त भागायः। होत्भव प्रश्नास भर्याच्य উপরে কান্দি নামক এক নগর আছে, দেইখানে পূর্বে এক রাজা বাদ করিত, কিন্তু এখন দ্বীপ ইপরাজদের হয়-গভ হওয়াতে লে রাজা পদচ্যুত হইয়াছে। কান্দি নগরের মধ্যে বুদ্ধের এক মন্দির আছে; ভাহাতে পুরোইভের वूरकार मंख विलिया कांचि वज् अक में छ मिथा हैया बास्क, আর লোকেরা দেই নাঁতের পুজা করে। দাপের দক্ষিব পশ্চিমধারে বমুদুভারে কলছ নামক আর এক নগর

बारक, त्मरेशात्व रेश्निक्षेत्र प्रदातानी कर्कुर निग्के क्सात गवत्रवत्र वर्षाय भागमककी वाम करते, व्यक्ति क्लिकाकात्र मात्र अक्षेत्र गण्याकि व नगरत्त्र त्माक मध्या श्राष्ट्र १५,०००।

३२ विष्णाविषयक नाना विरठारशंपन ।

বিল্যাহীন মধুযোর উন্ন হুলেতে কি প্রয়োজন হৈ হেতু সে কথক পুজিত হয় মা, কিন্তু নীচ লোক ও বিভান হইলে পুজিত হয়।

ৰস্ত ব্যতিরেকৈ অলকার ও মৃত ব্যতিরেকে জেলিন, ও লক্ষার্ছিও মারী ও বিদ্যাহীন মনুষা, ইহারা কথন প্রশাসকৈ পায় না।

विभाव ममान वक् भारी, अव भाराभव कुमा मणू राष्ट्रे, चात महारावद सम हिष्णां माहे अव भ हेपावद राष्ट्रम वन नारे।

বিদ্যাহীন তাক্তির জীবন পূনা, বনুহীন ছোকের । সকল দিক পূনা, দানহীন মনুষোর সমুক্তি পূনা।

পুষ্ট বাজি ধনি বিদ্যাযুক্ত হয়, ভথাপি ভাহাকে নট কৰিবে, বে হেভুক মণিতে ভূষিত বে নপ[্]নে কি ভয়স্কর মূল না।

्वारिकाकित्वितः त्यः त्रवीक्षःश्रेत्रदे क्षण, वृत्वितित्वेत् कणहे क्षण, जुल्लावित्वातः क्षणुप्रकाकः सत्रहे क्षणे, व्यक्षे विकामिरातः जिकाहे क्षणः ।

भेत्रा श्रवभावदादक विकिशिक्षा कैशास्त्र मा करेंद्र,

আৰু বৌৰনকালে যদি ধন উপাৰ্জন না করে, এবং বৰ্জনালে যদি পুণা নাম্মন না করে, ভবে সেই স্যক্তি শেষকালে দৃংধাপার।

বিখান ব্যক্তির বিদ্যা উপার্জনের পরিপ্রম পশুডেরাই জানেন, মূর্থ কথন কানে না; যেমন পর্যভারোহণের পুত্র তদায়েরই যোক বিদা আর কেই কানিতে পারে না, পুত্রকর্মবিদ্যা, ও পরহস্তগত ধর:কার্যকাগে পাওয়া নায় না, অন্তর্গর সে বিদ্যা ও সে ধন মিগ্রান

ি বিদ্যা দীপ ভুল্যা, ইহাতে অন্য প্রদীপ উজ্জল করিছে। প্রাক্তের তথ্যকুলি তেজােহ্যাসন: হটয়া প্রদীপ্ত থাকে। জজ্জপ কে ব্যক্তি বিদ্যা দান করে, যে অন্যের প্রতি অমূল্য কর প্রদান করিলেও আপেন সঞ্জিত বিদ্যার হানি পায় মা।

মাভার সমান নাই শরীর পোহিক।

কান্তার সমান নাই শরীর ভোহিকা।

চিন্তার সমান নাই শরীর শোহিকা।

বিদ্যার সমান নাই শরীর ভবিকা।

১৩ অমৃত।

আমাদের আদিপুরুব আদম পাপ করাতে ইশ্বরের ক্রেখপাত্র ও মৃত্যুর অধীন ছইরাছিল; ইক্ষাল কুছা ছইরাছে পাপের কল। আর আমর্ভ দককে আদিমের বশ্লাত হওরাতে ভাহার পাল প্রভাবের ভারী হইরাছি ও ভাহার মত মৃত্যুর অধীন হইরাছি। আদর্ম যদি পাশ না করিভ, তবে লে কথন মরিভ না, ও
আমাদের মধ্যে ধনি কেছ সম্পূর্ণ নিজ্ঞাপী হউত, ভবে
ভাছারও কথন মৃত্যু ঘটিত না। কিন্তু জন্ম অবধি পাপ
মনুষ্যের শরীরে প্রবেশ করাতে আর কোন উপায়
নাই, পাপের কল যে মৃত্যু ভাছা ভূগিভেই হয়, কেই
এড়াইঙে পারে না। কেছং নলে, কোন বিশেষ
দুবা থাইলে অমর হওয়া বায়; এই দুবোর নাম জম্ভ;
আর করিরা অমৃতের বিষয়ে জনেক রচনা করিলছে;
ভাছারা লেখে, কোন সময়ে দেবগণ ও নৈভাগণ
সম্দু মন্থন করিলে সেই মন্থন অমৃত জন্মিয়াছিল;
পরে বিষ্ণু সেই অমৃত লইয়া এক ভাণ্ডে অর্থাৎ ভার্টেরাথিবা দেবগণতে দিল, দভাগণকে কিছুই দিল না,
ভাছাতে দেবভারা অমর হইল, নৈভোরা মৃত্যুর বশো
থাকিল। কিন্তু এ সকল গল্প মাত্র। সভা সম্মত কোঝা
পাওরা যায়, ভাছা এথন বলি।

কোন দিনে প্রভ্ বীন্ত শিথিম নামক এক প্রামে
আইলেন, সেইথানে এক কৃপ ছিল, তাগার নিকটে
তিনি বলিলেন। এমন সময়ে সেই গ্রামহইতে এক ব্রী
কলগা হাতে করিয়া কল ভুলিবার কন্যে সেই হাবে
আইল। প্রভু ভাহাকে বলিলেন, আমাকে কিছু জল,
পান করিতে দেও। সেব্রী বলিল, ভুলি বিদেশীর লোক
আমার কান্তে কল পান করিতে কেন চাহ। গীশ
বলিলেন, আমি কে ভাহা গদি কানিভা, ভবে আমার
কান্তে অমৃত কল চাহিতা। সেব্রী বলিল, হে মহাশর

द्वामात काटक कनमी नारे, भरत भ कृत खि शहीत कृति सम्द कन कार्यात शारेना। बीट विनित्न, त्य वाकि और कन बाद, डारात सात्रवात शिशामा स्टेंब क्रिक स्नामित्व कन नि, डारा यदि कर शाम करत, हरव क्रिकात निशामा स्नाम कथन स्टेंब ना। सो विनिन, तमें कन सामास्य मन्द्र।

্দেশ প্রির বালকের।, প্রভু যার প্রীষ্ট অমৃত লইর।
বুর্গ্রন্থতে নামিরা এ পৃথিবীতে আলিয়াছিলেন, আর
কিনি সকল লোককে ডাকিয়া বলিলেন ও এখনে।
বুলেন, আমার কাছে আইন, আমি ভোমানিপ্রক অমৃত জল পান করাইন, ভাহাতে ভোমানের আর
কথন মৃত্যু হইবে না। এ নিমিত্তে যে কেহ যার প্রীষ্টের
কাতে গিরা ভাহার হাতহইতে অমৃত গুহন করে, সে
কির্জীবা হইবে।

(कर यपि वरण, अ कथा (कमन कतिया रहेर्ड भारत. क्मना स्थामता (का प्राथितिक्रि, काणमण नकरणें मित्रकर्त, आंत्र याद्याता योष श्रीरक्केन्न कका, काराता क महत्र, आंदाप्तत मध्यात पद्मात किन्ना करा। हेर्डान केन्न अरे, मनुर्यात पद्मान रव काणिक पद्मीन, समात केन्न, पत्नीरन किन्द्रत (य कान्ना कारक, राष्ट्र नाजा। कान्न रक्षान व्यावान कारक राष्ट्रिक मिन्ना विक्र कान्न रक्षान व्यावान कारक राष्ट्रिक कार्या भारत स्थान व्यावान कान्न प्रतिष्ठ का श्रीरथान करता, (क्रमनि श्रीकेक्क कारक महत्रकारण अरे क्रममण्डीत रक्षणिक्रावित्र कारक प्रतिष्ठ वर्षारकारण करता।

अ विष्ट्रेगीटनाकरएत मण्टकन विवत्र।

विद्वीरमाकरम्य आमिशूल्य हैयुं। होम। डाहात अध-ं श्वान खदाम (मर्प्यंत खेत नगतः। श्वरमध्यत्व खाक्कारके म बाशन तम छात कतिया मशतिवादत किमानदम्हम नाम कतिरा राम। यात मेथत छाहारक विमानन, अहे रम्भ **रका**मात वश्मरक निया मिहे ममस्य किनाबीत নামক এক কাভি দেইখানে বাদ করিও। ইবাহীম ও তাহার পুত্র ইস্থাক ও ভাহার পুত্র ফাকুর, এই ভিন जन (मर्टे (मर्ग विरम्गी ও প্রবাসী হইয়া থাকিল, সেই-शास्त्र छाहारमञ्ज त्कान व्यक्तिकाव छिल मा। याकृत्यद्र ১২ পুত্র হইল, তাহাদের মধ্যে গৃধক আপন পিভার অজ্ঞাতে মিদরদেশে নীত হট্যা দেইখানে অনেক ফ্লেশ-ভোগ कतिया शत कार्जि डेफ शन शाहेश। शत्त वाकृत जाशांत कुणनवाका धनिया नश्रावादा विनद्राम्यः चानन श्रुट्यंत्र निकटि तान। स्थन योकृत्वत्र अतिवात्र १० জন ছিল। সেইথানে তাহারা দকলে কিছু দিন मृत्य कान्यानम कतिन। किन्त युवक प्रतितन काना अक রাজা উপস্থিত হইল, সে বাক্ষের বংশকে অভিশয় मृश्यः मिरक नातिन, ও ठाइमिशटक मानमानी कर्स तिवृक्षास्त्रम् । हेद्राहीरमत् व॰म वह श्रकात्र ३०० ৰৎসর পর্যান্ত মিদর দেশে থাকিল। পরে ঈশ্বর ভাহাদের প্রতি প্রদল্পইয়া মূদা নামক এক ব্যক্তিক পাঠाইর। ভাহাদিগকে औ দেশহইতে উভার করিলেন।

बुंग डाहानिशटक वाहित कतिया खत्रविवास्तरणेत खत्रार **बिद्धा (शल। (महे खद्र(शद प्रदेश मिनश्रमर्खेड क्याः**: ভ্রার পরমেশ্র তাহাদিগকে ব্যবস্থা দিলেন। তাহার कि बेरनंत के खहरगार तान कतिरन शह, महरू মুকু ইওরাজে জাহার শিষ্য যিহোশূর ভাহাদিগঞ ক্রিনান দেশে লইয়া গোল। দেইখানে তাহায়া যুদ্ধ 💇 क्री (मण अधिकात कतिया याक्टबर ३२ श्रूटेंझर मण्ड ৰ্গারে দেশকে ১২ ভাগ করিল, আর একং পুস্তোর তে ষ্ঠী এক ২ ভাগে বিয়া যাস করিতে লাগিল। সেই সম ভাছাদের কোন রাজা ছিল না,ইশ্বরকর্তৃক নিযুক্ত শাস কর্ত্তা ও উপদেশকের। ভাহাদিগকে রক্ষা করিভ ও শি:» মিড। পরে মূদার মৃত্যুর পর ৪০০ বংগর গতে শৌল 🕮 अक कर ब्राज्य शास नियुक्त रहेग, ब्राइ मि प्रदिश्त की नामक अरु ता कि ता किनि । हा गरम विनिन, अहे मातृ । রাজা অতি ধার্মিক ও ইম্বরপরায়ণ আর ক্ষত্তি পরাতা ছিল, যাহার সহিত যুক করিত, তাহাকে জয় করি 🗇 मोशुभ प्रतिरम जोहात शूल गुर्याभाग द्वाका रहेन,रम स्र. वृक्तिमान ७ वेश्वर्यामाली छिल ; रत विक्रमालप्र नलार बेखदात उत्माम कर मित्र निर्माध कहिबा। मूंत्यमान मंत्रिल श्रकारमत् भर्या विवाम इरेल। मूरलभारमद्र 💯 किरविश्रोप व्यक्ति निर्वृत- इखशांकि जाराहनेत प्राथी 🔑 ल्लांकी शृथक रहेरा। जना अक कंतरक व्राक्रमान नियुक कहिन, वार्ष करें नुगरीय देशीय मिरकता हुई हो एकार स বিভক্ত হইল, অৰ্থাৎ কিনানদেশের উত্তরে ৩০ গোডা

जाना वर्षे कारबाक नाम देनारका दांका ७ फर्डिक क्राज्यक्षी (भौतिरहोत नगर, चना क्रांकार नोक विद्र রাজ্য ভাষা দৈশের দক্ষিণ ভাগে ও ছাহার রাজনারী विजनामधा वर श्रकारक राम पूरे कारका विकल स्वेत रिकांक ६८० वर्षमञ् शद्य अमृद्धिया (स्टब्स्य क्रांका क्यांकिया नेगुरवर्गताकाक् रनाकिमिश्वरक जन्न कतिन, अव र तरक जन्दी केब्रिया मृतरम्दान नहेंद्रा शनः जाहाता व्यक्ति कथन जो मेर्ने लिएम कितिया छ। हैन ना नेट्रे विद्यारीय ार्थक डार्टारम्ब मेरी स्मान ज्ञानिया बाम स्वीरफ লাগিল বিহারা ইউর লোক ও অসভা ও দেবপুর্বজ বিল; ও ভাষারা শোমিরোণীয় লোক নামে এর্যাট হইণী **বিশ্বী** রাজ্যের সোকেরা তাহাদের স**ন্**র जाशिक वावश्रक कविक मा। हेमुाटब्रम ज्ञाका नके एक्टेंबे, २४० वर्षमञ्जलदे वाविरमञ्जलको निवृत्तम् निर्माहरू सिन्धाः রাজ্যে আলিয়া বিরশাল্ম নগর ও ভাহার মন্দির ন্যী। कतिया विद्नौरनत अधान १ (मांकनिशतक वस्ती कतिया वालम (मर्ग महेशा (भन। (महेशात विद्वीता के वरमञ्ज नाम अजिम। भारत अमुनास्य समा अक होका वानिया बरेदिन वाका नके कतिया विमि विश्वीविशहक मुक्क करिया चालन (मर्टन किविया याष्ट्रिया चानूमांच मिन्। जहारक श्राब 80,000 जन कित्रिका जानिया विवनिजेन नगेंद्र चात्रवांद्र निर्माण कत्रिया मिथारन वान कत्रिक्त मेंप् নিল, আর ভাহার। প্রার চঞ্চারৎসর পর্যান্ত অনেক ক্লেন্ निहां ७ मानक वृक्ष कहिनों काशन द्वाका दका कार्यका

------ऽक्ष मही]

निया। वर प्रश्नित्र, शापि एवित्राहि, शृक्षितित्व व्यानकः नती व्याद्धः, त्मरे मगीनकन क्वाबाइरेटक वार्षेट्या व्यान क्वाबात बीत्र, व्यान्तिं व्यमुद्धः कित्रा प्रमृत् वित्रः। नती नकन शर्वक क्षेट्रस्य व्यारेटम्, क्षेत्रः अपूर् (मुख्य बात्रः। विद्याः। मगोत्रः समा विद्याः शर्वकः इर्हेस्य विद्याः व्याद्धाःम, शर्वकः छेशस्त्र विद्याः वाह्याः वाह्याः शर्वकः উপরে এত জন কেমন করিয়া হর, আরে নেই লালের কর্মন প্রেম হয় না কেন, এর শ্বনীর জন সকল নিতা হ কর্মেরত গেলেও সমুদু পূর্ব হয় না, তাহার কারণ কিন্তু প্রকাশে শিষা, যত জল পর্যত হইতে ব্রিয়া সমুদ্ধ দুতে পড়ে, চিক তত জল আরবার সমুদ্ধইতে উল্লিয়

শিষা। কল পর্যন্তের উপরে উটিরা বার, এ ক্রী

सङ्ग। कृषि काकान नानक, (कामान कानक निकास बाकि कारह, सन, (कामान मा यथन शांपिरक कल निन्न काइरानन केनरत सक करत, रुथन रम सन श्रेस के किसी

लिता। त्म अन इन्ट धृष्टः हेटः।

शसंद्रक बाय ।

निया। हैं। बर्टे, ब्यामि कथन अपन विरंत्रानः कति नाहै, किंद्ध नका नर्टे, बाझिक कन व्यास्त्र, लाहा के स्वेदन हाक किंदिय किंग।

. छहा बाज (करन कन ।

े छहा। राज, जकी हैं गृष्य किशा निवित्त हूँने क्र्यू क्रांत रम धूना बाकारमर्ड केंक्सि बास, जब केंद्रिक क्रिंग केंद्र क्यांत तमाच मा, जबानि रम धूना है दिन क्रिंग क्रिंग क्रिंग बांत, रक्षिन बाह्य करनेन क्रमू क्रिक्स माज, बांत रमें बिक्स कठिनेन गृष्य इंद्राटि हक्ष्त कर्ना हम। रह निवा कामारक वर्ष, जे बाह्य किरान उटक केंनरह केंटर।

🗽 শিষ্য। আমি বোধ করি,আন্তনের ডেক্সে উপরে উঠে ্ ওর ভাল, এই বটে, ভবে খন হাড়িভে আপ্তনের ভিজে ধাৰা হয়, সমূদেতে দূৰ্বোর তেজে তাহাই হয় -मम्मृद्देश्क निकार बाज जिल्हे, आह आकारण निय মেঘ হয়: সেই মেঘ বাভাগভরে পত্তের নিগে কিছা পুর্বিরীর উপরে চালিভ চ্য, আর সেই**থা**নে রুনি इक्ष्मार्क्ड समी मकरन यरबक्के अन यातास् । भरत जन नुक्रन आक्रमात क्सी मित्रा मधूरम् एक शिक्षा आह वात व्यक्तिमा निर्वाश कार्य जात, अध्र आहेरन बातः कार्रेम थाव, खाराव कथनः (चव रव ना, जाका स्वजन মিতাং খুরিবেশও কথন খুরিবার সেব হয় মা 🗁 🦠 ি শিনা। এথন ভাল বুবিবাহি, আর এক কথা জিকা नित्व ठादि, स्मयहरेख वृद्धि इत्र क्यान कनित्रा, सम्ब बाह्न माख ७ प्रत एमनि (नथार वरहें किन्न के हाहाइहर क अपने चड़ क्योंके। क्या क्या इस । 🕟 🕟 🖓 🕬 🤲

ওর। হাত অনেক হন হাঁড়ির উপরে রাথিলৈ ভাহাতে কমে ২ কলের কোঁটা হন, ইহারগুলারণ এই, जानक क्षिति । विकास नकन श्री फिश्टेरफ छिता शाहें । बाह्य श्रा, काशांक काम १ वर्ष विकास काम (कामि स्वर्ष) कालि यन श्रीता, काशांक जनविन्ता नकन काम १ वर्ष श्रीत शाही बाह्य वर्ष श्रीत कामिन कारवाद कामिका भीरत भाषा, काशांक वृद्धि छैं अभिन्न श्रीत वृद्धि श्रीत श्रीत श्रीत व्याप

भिका। हाँ प्रशामक वृक्तिशाहि।

১৬ ই রা**জলোকদের বৃদ্ধ দেশে আ**গনন ও তাহা অধিকার করণ বৃত্তান্ত।

মুসলমানের। কি প্রকারে বল্পদেশ অধিকার করিবাদি ছিল, ভাষা বলিয়াছি। ভাষারাপ্রায় ৭০০ সৎসর পর্যায় এই রাজা ভোগা করিল, পরে ইণরাজলোক আদিরা কি প্রকারে ভাষাদিগকে পরান্ত করিয়া রাজা কাড়িয়া লইল, ভাষা এবন বলি। পুর্বেতে ইণরাজলোক বাণিকা করিবার জন্যে এই দেশে আলিড, কিন্তু ভাষাদের এই দেশে কোন বগর কি গড় ছিল না। ইণ ১৬৯৮ নাণ ১১০৫ শালে অজিন উলান নামক বল্পদেশের নবাব ইণরাজলোকদের কাছে ছিনটি গ্রাম নিজয় করিবা। শেই ছিন গ্রাহমর লাম এইণ্ড ছোটনভা, গোবিম্পপুর, কলিকাভা। কেই সময়ে কলিকাভা ছোট একটি গ্রাম মাল ছিল। ইয়ার অল্প বংলর পরে দিলা নগরে নিবালী বাদলাছ পাড়িভ ছইলঃ আর ভাষার রোগ কোন করি-রাজ ভাল করিছে পারিল নঃ। পরে দিলা নগরে দেই

कि इतिहर निर्देश्याल बाजन रे दान हारा क्षिन, रने बानवारस्य राजायरस्य कथा सनिया सारा सारक ক্রিটা আলার উইরভারী ভাছাতে ভাল করিল। ভাছাতে বুলিকার বড় স**র্ভট হ**ইকা তাহাকে বর কারিতে কলিল क्षिम्हर्वे मेर्ट्ट विनि दिन्दाक्षात्वका क्रिकाउ লাবের নিকটে আর ও পার্বার কিবিবে, আপনি অব ब्रेडि मिडेन, अवन डाइप्रसन्न ग्रंड वानिका मुवा जाहेत. शहि प्राहात प्रामुन जाशित क्या करण। नानगाः मारहरवन्न निर्दर्शन मग्रठ हरेंगे। विश्व वह कथा श्रहात ्रहेरन, अंड्रे द्वाखरनारु थे श्वाम नकन किनिएक हाहिएन वस्त्रामान्यं नवान् मञ्जा कविशा वाधा मिन, जाशाहर किंही 54 शाम त्याम एकेंग ना प्रति, विश्व तिह अविध ইনিয়াজভোক বিনা মাধুলে বাণিচা করিতে পারিল. শ্বিহাতে কলিকাভার উমন্তি হউতে লাগিল। ই**১ ১**৭৫৬ ब्रो॰ १५७७ नारम मृजरहोन। वस्क्रास्त्र नरार रहेण ঁলৈ বাজি ইপরাজলোকদের সহিত বুক্ত করিতে মনত্ क्षिण : चारात्र ल्यांज्ञात्र कात्रव वह २ १ वक कम क्रूट-भूत्रा जाहार कार्य अन्तर्भी ब्हेंझ नगहिराहे द्वास-(वेंक्र आक्रेक्र महेक्राहिक, क्राइ मेश्राद काहारक शाहिर्द क है वाजानाक जाहात वाभन जालिक विभिन्न खाहात दाए यमर्गन कविन नाग्याले वयात खिल्ला-क्रिंग क्लिकाचारकः रव अक्र बाह्यः जारावः विकास र्वे द्वारमद्वा : भारतक यम सङ् : कहिन द्वार्त्वस्तारम् । सार् উচ্চৰত্ন প্ৰতি ভাষার কোভ হইল। এরণ ইণরাজ্যুরা-

क्षित तार नमरम से शक आहर के नक कहिए का केंद्र क्षित्र, छाहारछ नवाद विनन, वृक्षि, है । ब्राज्यनाक জ্বাপদারা রাজা হইতে চাহে। এই সকল কারণ প্রযুক্ত ৰবাৰ দৈন্য সামন্ত কইয়া আদিয়া কলিকাভা বেউক্ করিল। সেই সময়ে গড়ের ভিতরে কেবল ৫১৪ জন নৈনা ছিল, আর ভাহারা প্রায় সকলে অশিক্ষিতঃ ভাহাতে নহাবের অসংখ্য দৈন্য অনায়ালে জড়ী श्रेष्ट्रा গড়েভে প্রকেশ করিয়া ল্ড পাট করিতে লাগিল, এবং ভাহারা গড়ের ভিতরে ১৪৬ ইপরাজলোককে ধরিত্রা ছোট এক काइरेशास वह कदिन। এই द्वारम से विश्व-শোক বায়ু ও অলের অভাবে এক রাত্রির মধ্যে **প্রায়** मकरण प्रतिम। शास नवाव क्लिकाछ। नशास्त्र अक লৈন।দল রাধিয়া প্রস্থান করিল। মান্দু।জনেশে বে উৎরাজনোক ছিল, তাহারা যথন ঐ সকল ভয়ানক লংখাদ খনিল, ভখন ভাছারা অভি দুঃখিত হইল নটে, কিন্ধ নিরাশ হইল না: ভাহারা অবিলয়ে নুতন সৈনা ্রপ্ত করিয়া জাহাত্তে চড়াইয়া বর্ণেশে পাচাইল। बारे रेमभारमञ्ज शिंख क्वारेय मार्ट्य हिन। (न वाक्रि অতি সাহ্দী হওয়াতে গলানদীতে পৌছিবা মাজে দলিকাতা সময় আক্রমণ করিতে গিয়া আরুবার অবি-कांद्र कदिन । देश एनिया नवाब चात्रवाद युक्त कतिएछ चारैल, विश्व (महे युरक्टि (कह बड़ो ना हरे वाटक नवाव क्रारेंच नारहरबढ़ नहिंच निक्व केंद्रिया श्रद्धान केंद्रिम । वधानि क्रारेव गार्य कांध हरेन वा। क्लिकांडाहरेड

 কোশ উত্তরে নদীর ও পারে ফ্রান্সলোকদের অধি ফুত চন্দ্রনগর আছে, আরু দেই সময়ে ইপরাকলোকে? ফুান্সলোকদের দহিত যুদ্ধে প্রবর্ত ছিল, এই নিমিশ্র ক্লাটৰ সাহেৰ চন্দনদগর অধিকার করিতে প্রস্থান ক্ষরিশ। নথার ভাষ্তেক তারণ করিল, কিন্তু ফ্লাটন সাচে ব ভাছাৰা মানিয়া ভথায় নিয়া জয়ী হুইয়া ফান্সলোক-मिश्रक छाड़िया मिन। अने क्या कविरन शर द्वारि শাহেৰ ভাবিল, নৰাৰ অবশ্য আৱবার আমার সাংক যুদ্ধ করিতে আদিনে, ও ফুলেলোক ভাছার সহায়ক করিবে, ভাছা হটলে আমার রক্ষার পথ ধাকিবে -**क्तिन। আমার অল্ল সৈনা, উহাবের অনেক আ** কেবল একটা উপায় আছে, ফ্রান্সলাকের দৈনা জ নব্যাবর দৈনা প্রস্তুত ও মিলিড হুটবার পূরের যদি হঠ 🕏 গিলা নবাবকৈ আক্ৰমণ করিলা পদ্যুত, এবণ আরু া জনকে ভাষার পদে নিযুক্ত করিতে পারি, ভবে ন্ত নবাৰ অৰশা আমার পক্ষ ছইবে, ভাহাতে আমি রং भारेत: किन्नु अरे कर्य (करन युक्त बाहार**७ इ**हें: পারিবে না, প্রথমে কোন প্রকার ছল করিয়া নবাবে? লোকদের মধ্যে বিবাদ জন্মাইতে হইতে। এমন ভাতিত **শে অভি গোপন ভাবে নবাবের প্রধান দেনাপতি মী**র জাফির থাঁকে বলিয়া পাঠাইল, তুমি যদি আমাদেত **शक** र७, ७८४ वयात शहरू छ रहेल खामारक वास বি^হাদনে বদাইব। ভাহাতে মীর জাফির থাঁ সম্ব **ब्हेन । हेर। काउ ब्हेरन शह क्राइंड सार्ट्ड ७১०० स**्

দৈনা লইয়া নবাবের সহিত যুদ্ধ করিতে গেল। নবাৰ গেই সময়ে পদালি নামক গ্রামের নিকটে ভাউনি রিয়াছিল। ক্লাইব লাহেব যুদ্ধ করিতে আরম্ভ করিলে নার জাফির থাঁ পূর্বকৃত নিয়ম অন্সারে আপন অধীন দৈন্য দল পইয়া নতাবের পক্ষ ত্যান করিল। নতাত 😻 ভাষার অবশিষ্ট দৈন্য ইয়া দেখিয়া, দকলে নিরাশ হুইয়া রণে ভল্পিয়া পলাইল। পরে ক্লাইব সাহেই भोत का किरतक चामत পूर्यक शुरून कविशा नवारवर् शाम नियुक्त कहिया प्रविमाताम नगरव लहेया शाम। खञ्जमिन भरत भनाष्ठक नदाय धतः भक्ति। यक कडेन। **७३ श्रकारत है॰ ताकरमाक छम ७ वन प्राता वम्रामरनंद्र** রাজাকে পদচাত করিয়া আপেন অনুগত এক কনকে শেই পদে নিযুক্ত করিল। এই ন্তন নধার ইওড়াজ-লোকদের অনুমতি ছাড়া কিছু করিতে পাতিত না, আর मञ्जूषि रमङ नवात नाममाज नतात, नै॰ ब्राक्सभारकत्रा (मर्ग्यंत्र मोजन करत् ।

३१ कमानाश।

শরমেশর দন্যাদের স্থি করিবার সময়ে তাহাদিগকে বিশেষ ২ কর্মোর জন্যে বিশেষ ২ আন দিরাছেন। তিনি ভাহাদিগকে গমন করিবার জন্যে পা ও কোন দুব্য পরিবার জন্যে হাত ও দেখিবার জন্যে করু, ও শনিবার জন্যে কান এবং কথা কহিবার জন্যে কিছু! দিয়াছেন!

चल्यात त्वर करमात निमित्त (यर चन निवास्त्र महै। श्रीक त्रहेर कार्या छेशयुक्त ब्राश मझद करा कर्डिया। कामता विश्वदेव मान् अहे निमिष्ठ व कार्बाङ ७ व ৰ্ষধাতে তিনি তাই হন, এমন কৰ্ম নিতা করা, এব-অমন কথা নিতা কছা আমাদের উচিত ছয়। পরমেখন আপেনি ধর্মময় ও পবিত্র এই নিমিন্তে ধর্ম কর্মেতে পরিত্র কথাতে ভাঁহার নম্মেষ। হে প্রিয় বালক ভোমাদের মুধহুটতে কথন মন্দ অপবিত কথা বাহিঃ म। इडेक ; काहारक अभागि विश्व मा; अम, अर्माशृक्षण বলে, যে কেছ আপন ভাইকে পাগল বলে, দে बदकाचित्र (याता, अर्थे निमाल तालि मिखरा विश्वादर, সাক্ষাতে বড় পাপ, আর যে ব্যক্তি গালি দেয়, দে তাঁহার কাছে শান্তি পাইবে, ইছা জানিবা। ভোমাদের মধ্যে অনেক অভি মন্দ্র গালি চলিত আছে ও ভোমর मिर्नर करनर प्रमानक्षा स्वित्त পाই एक नार्वधान बाना (लाक बान राम कम) करिल (कामका कार्यामन মত করিও না। সাবধান ছও, কেননা যে ব্যক্তি মন্দ কথা কছে, সে আপনি মন্দ, যে ব্যক্তি কুৎসিত কথা কছে ভাহারি মন ভেমনি কুৎসিত। আমাদের পুভূষীও शुक्रिक सद्भ कृति है, बूक्के लाक है। हार कह निका করিত, কত গালি দিত, তাঁহাকে ভত্তপ্ত ও মাতাল बनिक, उथानि छिनि काहारत्। निमा कथन करत्न नाह কৰৰ গালি দেন নাই, ভাঁছার মুধছইতে কৰৰ অপৰিত কথা বাহিত হঁয় নাই। ভোমরাও তাঁহার তলা হও।

আরে এক কথা বলি। ব্রী পুরুষের পালের যে ভাব ও বে কর্ম এই বিষয়ের কথা ভোমরা কথন মুথে উচ্চা-রণ করিও না, কেননা ভাহাতে অনেক অমলল হর; ভাহাতে মন অন্থির ও অপবিত্র হৃত্য, এবং নানা কুভাবনা জন্ম, এবং অনায়াশে কুক্ম করিবার ইচ্ছাও হয়। মন্দ গতি কথন গান ফরিও না, ভাহাতে অবশা পাপ হয়, এবং অনা লোককে এমন গাঁচ গাইতে দেখিলো ভোমরা কানে আঙ্গুল দিরা পলাও। অবংশান বলি, পর্যাণ মনেহ ভাবনা কর, ইপার আমার কথা প্রনিজে-ছেন এবং আমে যদি কোন মন্দ কথা বলি, ভবে তিনি আমার প্রতি অসন্ধৃতি হইবেন।

३৮ सङ्ख्या ८ ८ यम छात्र।

কলিবাতা চইতে প্রায় ১০০০ ফোশ পশ্চিমে অরবিয়া
নামে এক দেশ, আরু সেইঝানে মেঞা নামক এক নগর
আছে। তথায় যাত গুলিইর জন্মের ও৬৯ বংশর পরে
নহম্মদের জন্ম হইল। ভাহার পিতার নাম অবদালা
ও পিতামহের নাম আননুল মতালেব। এই আবদুল
মতালেবের ১০পুল্র ও ৫ কনা। ভ্রমিয়াছিল, ও ভাহার
বয়স ১১০ বংশর হইয়াছিল। তাহার পুল্র আবদালা
আমিনা নামে এক দ্লীকে বিবাহ করিয়াছিল, কিন্তু
মহ্মদ্র প্রতি ভিন্ন ভাহাদের অনা কোন গ্রান হয় নাই।
পরে অনু সংক্রের মধ্যে মহ্মদের পিতা ও মাতা ও

লিভান্নহ মরিরা গোল, আর মহম্ম**র ঐ সমরে শির হ**ও-রাচে তাহার এড়া গকল তাহার পিতার ও পিতামহের थब-आननारमञ्ज्ञ प्राथा विचान कृतिया नहेन, प्रश्यानरक **एक्टन** भाँठों छेडे अ अक नानो निन । प्रश्चारनंत्र वर শ্রা, সকলের মধ্যে শ্রেষ্ঠ আব্তালের নামে এক জন ছিল। এই ব্যক্তি পিত। মরিলে পর মহমাদের রক্ষর াও প্রতিশালক ছইল। মহমাদের ২৫ বংসর বয়স ছইলে সে কাদিদা লাফুী এক ধনবভী বিধবার দাস: ক্রেপ্ন করিতে লাগিল, আরু দেট বিধবা ভাছাকে বাণিকা मुद्रा मरम मिया राविका कतिवाद करना मार्गनर शाठावेस পাৰে যে কিছু পভা হইড, তাহা মহমাৰ আনিয়া আপন কলীকে দিত। অল্ল তৎসর পরে কাদিদা ভাষার প্রতি अठि मक्षके रहेश जारात्म विवाह कविल। प्रश्मान कानिः मात्र श्वामी ও ठाशांत्र भरतत अधिकाती शहरमं । वाशिका স্থাতিল না. আর সে দেশদেশান্তর ভুমণ করিষার मन्द्रा नामा (मारक्ष महिल (मधा ও जानान क्रिन এবং নানা দেশের নান। ধর্ম জ্ঞাত ছইল। অপর त्म भरतर विद्वहन। कतिल, शृधिवीर्ड यन धर्म चार्ट नकन भिष्मा (मर्था याहें(उएए, कडबर वामि ने नकन ধর্মের ভুল ভুড়ি প্রকাশ করিয়া ন্তন এক ধর্ম স্থাপন করিব। এমত ভিত্ত করিয়া দে ঘরে ফিরিয়া অপুসিয়া বাণিটা তাগি করিয়াবনে গেল: আরু সেই क्षांद्व चरनक मिन निजनसारन थाकिएन शह चाह वाह धानन शहिबादात विकटि धानिया विनम, बद्धत प्राथा ताबीका बारम कर वर्तीय मृत्र चामारक स्था निया। इचारत्त्र धर्म अनात कतिरु चारम्य कतिशारस्य. অভন্ত আমার কথা মান, পরমেশ্ব এক, আরু জামি ভাঁহার প্রেরিভ। ভাহার অন্তর্ক লোক ভাহার কথাকে প্রথমে সন্দেহ করিল,পরে সে ডিন বৎসর পর্যান্ত ভাহা-निर्दारक छेशरमन मिरन ए चनुरहाध ए चनुरगांश कविला, অবশেষে ভাহার ক্রী কাদিলা ও তাহার দালী কেউদ ও আবৃতালেবের পুত্র আলি ও মহম্মদের গুড়া আবৃবেকর ভাছার শিষা হইল। এবপ আৰুবেকর অতি ধনবান ও ভৰু লোক ছওয়াতে অল্প দিনের মধ্যে আরও ১০ কর মেন্তানিবানী বিশিষ্ট লোক মহম্পের মত অবলম্বন করিল। ইহার পর মহ্মদ কোন দিনে আপনার ৪০ জন কুটুম্বকে নিমন্ত্ৰকরিয়া ভোজবের সময়ে ভাছাদিগ্ৰকে বলিল, হে মিতা দকল, ভোমরা যদি উছকালে ধন পরকালে মুথ চাহ, তবে আমার কথা নামিয়া সভ্য ধর্ম গ্রাহ্য কর, আনার শিষ্য হাও। এই কথা গুনিয়া সভালে চুপ করিয়া থাকিল। পরে মহ্মদ উলৈঃমুরে ডাকিয়া ৰলিল, আমাত্ৰ ৰূপক্ষ কে হউৰে? ভাহাতে ভাহাত্ৰ লিষা আলি বলিল, হে গুরে: আমিট তোমার স্পক্ষ,যে কেই। ভোমার শতুহয়, আমি তাহার দাঁত ভালিব ও ভাহার চকু উপড়াইব, ও ভাহার ঠেন ভান্নিয়া দিব, ও ভাহান্ত উদর চিরিয়াকেলিব, ছে গুরো, আমি ভোমার **নহার**। পরে আলির পিতা মহম্দকেবলিল,আলি বালক মাজ ৰে যাহা বলে বলুক, কিন্তু ভূমি আরু কেন মি**খ্যা** চে**ই**ণ

করিবে না। মহমান বলিল, যদি সূর্য আমার দক্ষিণ ও
করিবে না। মহমান বলিল, যদি সূর্য আমার দক্ষিণ ও
করে আমার বামপার্যে দাঁড়াইরা আমাকে নিবারণ
করে, তবু আমি মানিব না। মহমান দশ বৎসর পর্যাপ্র
ক্ষেয়া নগরে আপন নৃতন ধর্ম প্রচার করিলে পর
কাহার শিষ্যের সংখ্যা ক্রমেং বাড়িতে লাগিল। ইহা
ক্ষেথিয়া সেই নগরের লোক সকল তাহার প্রতি অভাত্
ক্রিক্ত হইয়া ভালাকে সংহার করিতে পরামশ্করিল।
মহমান ইহা খনেয়া মেরা নগর হইতে পলাইয়া মেদিনা
স্বারে গেলা।

১৯ নহম্মর। দ্বিতীয় ছাগ।

মেদিনা নগর মেঞা নগর হইতে প্রায় ১০০ ক্রোপ উত্তরে, আরু সেইধানকার অনেক পোক পূর্বেতে মেঞা নগরে গিরা মহমাদের উপদেশ থানিয়া গ্রাহ্য করিয়া ভাহার শিষা হইয়াজিল। এই নিমিত্তে ভাহারা আপন নগরে মহমাদের আগমনের সংবাদ পাইয়া ভাহার কাছে গিরা অতি আহলাদ পূর্বেক ভাহাকে গ্রাহ্য করিল, আরু মেছা নগরে ভাহার যত শিষ্য হইয়াছিল, ভাহা-কান্তে ক্রেমং আগিন্য ভাহার সহিত মিলিল। এই শিষ্য লক্ষদে মহম্মদকে পূরোহিত ওরাজা ও ইপরের দূত প্রায় কান করিত। এবং মহমাদ ভাহারের নাম মন্তেম কিন্তা মুক্তমান অর্থাৎ ইপরতক্ত রাধিল। ইহার মধ্যে শিষ্য-

দের দেশ্রা এত বাড়িরাছিল, বে তাহাদের মধ্যে প্রাই ১৫০০ অব্রধারী পুরুষ ছিল। ইছা দেখিয়া মহমদ **অব্র**-গলছারা আপেন শত্রমন ও আপেন ধর্ম রক্ষাও বুৰি করিতে আরম্ভ করিল। কোন সম্যার সে গুনিতে পাইল, ভাছার পত্র আবৃদ্ফীয়ান নামক মেস্তা নগরের অ**প্যক্ষ** বাণিজাদুবোর সহিত ১০০০ উট লইয়া মেদিনা নগরের निक्रे पिया यानेटल्का जानाटन प्रस्ताप ७१० देवना नहेशा थे ১००० उठे धविदात अत्मा चार्टि वमाहेटक (तमा. কি**ন্ত** আসুসফীয়ান ইচা জাত ছইয়া মেলার **লোককি** গকে সপ্রাদ্ দিশ, ভালাভে মেস্তার লোকেরা ভাহার महारूषा कविनात जत्मा २०० सम रेममा शाहा है सा दिसा। ইংবা গিয়া মুসলমানদের সহিত যুক্ত করিল। কিন্তু **अहे यूरकाल गुमनगारनदा अल्ल मर्भाक इहेरल ६ जरी** रहेन। यत् । छारात्रा वे छेठे मकन धतिया (महिना मनद्र লটয়া গেল, আবৃষফীয়ান আপেন অবশিষ্ঠ বৈন্যকৈ শইরা মে**রা**তে গেল। ইহার পরে মুসলনামেরা বার**ং**, গিয়া মেক্সালগরের মহাজনদিগকে দুংখাদতে ও ভাছা-" দের বাশিকা আটক করিতে লাগিল, ভাছাতে আবৃদ-कौरान चिक्रिय हात कहिया प्रस्थात ७ ठाशांत मनाकः नभूल नके कतिवाद जना ७००० रेमना नहेंद्रा (अपिना নগর আক্রমণ করিতে গেল। ইহা গুনিয়া মহ্মদ কেবল **৯৫০ জন লজে লইয়া মেদিনা নগর ছাড়ি**য়া শল্পের শহিত যুদ্ধ করিতে গেল। ভাছাতে আহুদ নামক এক পৰতে দুই দল মিলিলে ছোর যুত হইল, কিছ এই

বুৰেভে মহ্মাদ ও ভাহার দল পরার হইর। মেদিনা নগরে ললাইল। এই নগর প্রাচীর বেজিত এই কন্যে শত্রা ভাষা অধিকার করিতে আপনাকে অক্ষম দেখিয়া জেষ্টা নগরে ফিরিয়া গেল। কিন্তু ভাছার পর বংশরে कार्युमकोशास ১०००० रिगर) लहेशा (प्रतिना नगर प्रमन করিবার জন্যে পুদ্রান করিল। এ বার মহমাণ পুরু इक्ष्मरत्त्र विश्वम स्वत्व कतिहा ও শञ्चलत मक्षा ध्विद्धिः युक्त कवितात करना नगत इहेटल वाहित ना ব্রীয়া তাহা আহও শক্ত করিবার জন্যে চারিদিকে পত্থাই করিতে আজা দিল। তাহাতে মেক্লার লো-किता चारनक निन नर्गादाद असुर्थ छाउँनि कदिया थाकिन, কিছ নগরস্থোকদের কিছু ছিৎসাকরিতে পারিল না। অনশেষে তাছাদের পরস্লর বিবাদ হটল, ও এক ৰড়েতে ভাহাদের ভাষু নকল পড়িয়া গেল, ভাহাতে ভাহার। বিরক্ত হুইয়া ফিরিয়া গেল। মহামদ ভাহাদের হাত হইতে রক্ষাপাইয়াক্রমেং মেদিনানগরের নিক-छेड् (६म चाधिकाद जात (महेशानकात मकल शुक्रामि-গকে বলৈতে মুদলমান করিল। দাত দংগর মেদিনা মগরে বাল করিলে পর ভাছার পরাক্রমের অভিশর বৃদ্ধি হইল, ভাহাতে সে ১০০০০ দৈনা লইয়া মেক্সা নগরে গিয়া, তাহা অনায়ালে অধিকার করিয়া সেই, শ্রানেও দেবপ্রতিমা সকল ভাঙ্গিরা আপন ধর্মা দ্বাপর कतिन। পরে বলে হউক, ছলে হউক, আর্বিয়ানেশ বি-মালি সকল লোককে ক্লমেহ অধীন করিয়া আপন ধর্ম

গ্রাহ্য ক্লমাইল। এই সকল দেশ জর করিলেও ভাষার মানস পূর্ব হয় নাই; সে সমস্ত পৃথিবী আপন ধর্মের অধীন করিতে চাহিল। কিন্তু অনা দেশ অধিকার করিবার ভনো যে সময়ে দৈনা পুস্তুত করিল, দেই সময়ে তাছার ছর হইশ, আরু ভাহার ১৫ দিন পরে দে আপন স্ত্রী আয়েলার কোলে মন্তক নোরাইয়া প্রাণভাগি করিল। সেই সময়ে ভাগার বয়ন ৬৩ বৎনর ছিল। ভাগার মৃত্যুর দশ্বাদ ভ্রিয়া মেদিনার লোকের: অভিশয় শো-कार्च इहेन, चात (कहर चित्रिशान कविशा विनित, विनि আधारमञ्ज छङ्ग जिनि कि महित्यम् जिनि मरतन ना। अव-অঘার নামে ভাহার এক জন শিষা ঋড়ু ধূলিয়া বলিল, বে কেছ বলে সহম্বদ সরিয়াছেন, তাহার সম্ভক কাটিৰ: পরে বৃদ্ধ আবৃষ্টেকর বলিল,ছে প্রিয় লোক এমন অনুচিত क्ति कर, प्रश्चान हिंद्रकोती नर, किस् (य देवेद्द्र स्वयंक् **छिनि ছिल्मन, छिनिই চিরজী**री, আর সহমাধ **ও কথন** बलन नाहै. (व जाहात प्रृत्) इडेटर ना। अडे केथा छनिया लाटकता किलू स्ति इनेया मर्यटनत मह नहेता करत নিল। পরে আবুবেকর তাহার পরে নিযুক্ত হইল।

মহন্দরে ধর্ম মনুবাকরিত, তাহার কোন সন্দেহ নাই, এবং ভাহাতে জাগের পথ পাওরা বার না, ; কেননা মহন্দ কেবল এই কথা বলে, সংকর্ম করিলে লগে বাওরা বায়, কিন্তু পাপহইতে মনুষ্য কিসেতে উভার পার ও পাপের প্রার্শিন্ত কিনে হয়, এ কথা কিছুই বলে নাই।

२० धर्मविवयूक नाना शिक्षकेशसमान

ক্ষাধ্যরতে সমপূর্ণ ভরণা রাধ—আপন বৃদ্ধিতে ভর্ন। ক্ষাধিত না।
প্রক্রান্তন। পুরু পোক ইশরের শাপগুরু—ধার্মিকের। তাঁহার
্ৰা লাভ ।
ক্ষিত্র ধার্মিকদের পালন করেন—দুক্ট লোকদের সমৃতি াম্বট হর।
অলস ব্যক্তির ধন উড়িয়া বায়-শুমি ব্যক্তির বিবয়
্ৰুছি পাছ। দীক্ত বালি ও চল্বত ধ্য বেমন—আপন কৰ্ত্তার প্ৰতি
धानम मान्य (क्रान ।
मुक्टबब नाटक वर (यमन निर्मका जीव मिर्च) (छमन।
क्ष्मच अन याग्र कतिरंगध धंनी एतः— त्क्ष्म धन दाभिरंग
७ निर्धन रह ।
মিষ্ক্যাবাদি লোক পরমেখরের ঘৃণিক—সভাবাদি ব্যক্তি ংক্ষীহার-প্রিয়।
भारतक कुष्क् कतिरम भाग एक पृ ष्किक शास्ति वरा।
इंक् रिटन भूग रहा। १३ व्हे १४ ४ ४ ४ ४
श्राहत नुरम्भारक नग ण मूर्थ-विक्रान किंदू रह सा। क
क्ष्रे-कावित्वर मर्खनान इतः अबु रणाक क्ष्मा नारक
যারলায়ুক্তি শিভূলোক হইছে হর—বুদ্ধিনতী ভার্ব্য। ইপার ক্টেভে হয়।
चतु लाक विवास करह ना-मूर्थरनाक विवासकहरन इकः

আমি গুরুষত্ত, আমার পাপ নাই, এমন কথা কে কহিছে পারে ?

হলে প্রাপ্ত আয় পুথমে মিউ লাগে,শেষে বড় ভিজ্ত হয়। যে ব্যক্তি মারাপকে শাপ দেয়, তাহার কশ্ল কুশল পাইবে না।

্তিপ্লিড হইলে প্লডিহিৎসা করিও না, আপন দুংগ ইপারকে জানাও, ডিনি বিচার ক্রিবেন।

ইপারের বিরুদ্ধে কোন প্রামর্শ থাটে না।

ঈশরকে ভর করিলে ও মুমু হইলে, ধন ও সমুন ও দীর্ঘায় হয়।

ইম্বরের আজা যে বাজি তুচ্ছ করে, ভাহার ভঙ্গনাই। পাপমাতা।

२) महाइंशि दिक्षेत्रिया।

হে প্রিয় বালক, ধর্মপুস্তকে লেখা আছে, রাজগণ দিয়রকর্তৃক নিযুক্ত, এই নিমিন্তে ভাহাদিগকে আদর করা ও ভাহাদের অধীন হওয়া সকলের করিবা। এই দেশের কর্মী মহারাণী বিক্টরিয়া; ঠাহার মৃত্তি লোমরা সকলে টাকার উপরে দেখিরাছ, কিন্তু ভাহার ক্যাদি ক্লান্ত কাম না। খন, ২৫ বৎসর হইল ভৃতীয় জার্ছ নামক এক ব্যক্তি ইংলও দেশের য়াল। ছিলেন। এই রাজার ভিন ভাই এবং এক পুত্র ছিল। এবং এই জিন ভাইএর মধ্যে প্রথম ও বিতীর ব্যক্তির সন্তান হল নাই,কেবল ভৃতীয় ভাইএর এক কন্যা হটল, ভাহার নাম

विक्ताहरू। विक्ताहरू कर ३४३५ वार ३११५ नात्व कर बुर्ग कतिलान। चाराव अक दरगत शात वर कनाव পিতা মরিল ও ভাহার লাভদিন পরে মহারাজা জর্জবিহি ভাহার শুড়া তাঁহারও মৃত্যু হইল।পরে মৃতরাভার পুত্র চতুর্বভর্ত নামে থাতি হ ইয়া রাজনিৎহাসনে বলিলেন विक्षेत्रिका हाति वश्मत वस्का रहेल भन्न विमा खन्नाम कतिए काव्य कतिरमन ७ ठीशांक मिका मानार्थ ভাঁহার নিকটে কএক কম উভয় শিক্ষক নিযুক্ত হটল: আর তিনি শিক্ষাতে অধিক মনোযোগ করিতেন,এপুযুক্ত তিনি অতি শীমু নানা বিদ্যাতে নিপুণা হইয়া উচিলেন তাহার যথন ৮ বংশর বয়শ্তধন তাঁহার আর এক জন শ্ডার মত্যু হইল, এবং ভাছার ওবংগর পরে চতুর্য জ वाका मित्रिन। उहारि वे वानिकाव व्यवनिधि गुप চতুর্থ উইলিয়াম খ্যাত হইয়া রাজা হইলেন। ই৭ ১৮৩৭ লালে ভাঁহারও মৃত্যু হয়, ভাহাতে রাজবংশের মধ্যে এ विक्छेदिया बकाकिनी इथग्राट्ड छिनि दाक्रिनिश्नितर অধিকারিণী হইলেন। তথন ভাছার বয়স ১৮ বঁৎসর ছিল। ভাচার পর বংশরে এর্থাং ই৭ ১৮ ৩৮ বাণ ১২৪৫ माल এक जन প्रधान धर्माधाक मञ्जनगढ़ाइ প্রধান ভজনালয়ের মধ্যে অসংখ্যা লোকের সাক্ষাতে তাঁ-शास्त्र चा जित्रक कतिया जे काशा व प्रश्नुक प्रति वा कार्क के मित्र কাঁহাকে মহারাণী পদে নিযুক্ত করিল। তাহার অল নিন পরে মহারাণী উত্তম রাজবংশকাত এক যুবপুরু-লকে সনোনীত করিয়া বিবাহ করিলেন; এই পুরুষের

নাম আকাট, আর ভাহাহইতে রাণীর সমৃতি এক কন্যা আর এক পুত্র ক্রিয়াছে। রাণী সপরিবাতে অভি রুহ্থ ও সুন্দর এক অ**উালিকাতে বাস করেন ও ভাহার** काल्ड अम् भा मान मानी नियुक्त आर्छ; ठाँहात अनुप्रक्रि না পাইলে কেছ ভাছার সঙ্গে সাহ্মাৎ করিতে পারে না, কিন্তু তিনি প্রায় প্রতিদিন স্থামির সহিত আপন রুখে চড়িয়া বাষু লেবন করিতে বাহিয়ে যান, ভাহাতে দকল লোক ভাছাকে দেখিতে পায়। জগতের মধ্যে প্রায় ভাহার ন্যায় সম্ভান্তা ব্রালোক আর নাই, কিন্তু এয়ন গৌরব প্রাপ্তা হইলেও ডিনি আপন ইচ্ছাতে রাক্তা চালাইতে পারেন না, অন্য সামান্য লোক সকল যেমন ব্যবস্থার অধীন, তেমন মহারাণীও ব্যবস্থার অধীন, বাবস্থার বিরুদ্ধে ভিনি কিছু মাত্র করিতে পারেন না আপনার এক তন দাসকে প্রহার করিবার কিয়া কারা-গারে বন্ধ করিবার আজাও তিনি দিতে পারেন না ৰে দেশে ব্যৱস্থা সকলের মান্য হয় ও রাজ: প্রজা দুঃৰী ধনী সকলে ভাছার অধীন হইয়া খাকে, সেই দেশের DAM SA

२२ शृथिवीत दिखांश।

পৃথিবী দুই মহাদ্বীপে বিভক্ত। একের নাম পুরাতন নহাদীপ, অন্যের নাম নূভন মহাদ্বীপ। পুরাতন মহাদ্বীপে পূর্বাপর অনুষ্ঠীনের বাস, এই নিমিত্তে তাহার নাম পুরাতন। নূতন মহাদ্বীপ প্রথমে লোকশূন্য ছিল, পরে পুরাতম মহাধাপের লোকেরা বিশেষতঃ ইউরোগ কেশের লোকেরা তাহার অনুসন্ধান পাইরা মহাসাগ্র পার হইরা ওথার নূতন বসতি করিল, তাহাতে ভাষার নাম মতন মহাধীপ হইল।

্ৰ প্রাতন মহাদীপ ভিন ভাগে বিভক্ত। প্রথম ভালেন **রাম আশি**রা; দিতীয় ভাগের নাম ইউরোপা; তৃত[ি] काह्यत् नाम चाक्तिका। मृष्टन महाबीत्मत्र नाम खारमदिकः। 🗁 সেই দুই মহাদ্বীপ মহালাগরে বেন্ডিড+ এই মহালাগর भीक ভাগে विভক्ত। প্রথম ভাগের নাম আটলাণ্টি শীবার, তাহা পুরান্তন মহান্ত্রীপের পশ্চিমে। বিভারের নমে পাজিফিক গাগর ভাহা পুরাতন মহায়ীপের পূর্কটিলে. এই সাগরের মধ্যে অসপথ্য ক্রন্ ছীপ আছে। তৃতীয়ের নাম হিন্দু নাগর, ভাদা পুরাতন মহাছীপের দক্ষিণ পুর্তাদিলে। চতুর্ব ভাগের নাম উত্তর হিম্লাগর, ডা দুর মহাদ্রীপের উত্তর্দিনে: এই লাগতে এত হিম হয়,ে সেধানে জাহাজের গতায়াত প্রায় হয় না ।পঞ্ম সাগ-কের নাম দক্ষিণ হিমদাগর, তাহা প্রথম উক্ত ভিন লাগে व्यर्थाः व्याप्रेमान्द्रिक ও भागिष्टिक ও हिन्दू मानदहर मक्ति।मिर्गः, रमभारंत ३ हिरामत श्रवण्या श्रयुक्त काशास्त्रत প্সন্গেমন হ্য না।

* .

. ২৩ শিত্ৰলাভ।

ে এক কাক কছেপ ইন্ধুর এবও হরি। ইহার। শরস্ত্র মিলতা করিয়া সুথেতে বাধ করে। পরে এক মিবল কাহুপ ajtধের ভরে ভীত হইয়া অন্য পুষ্কবিনীতে চলিল: তা-হাতে কাক হরিণ ইন্দুর তাহাব তিন মিত্র বলিল, তৃমি ল্পজন্ত, ভোমার স্থলে গমন উচিত নছে। কিন্তু কচ্ছপ ভাহাদের কথা উনিল না। পরে পথের মধ্যে কোন বায়ে ঐ কছপকে ধরিয়া ধনুতে বান্ধিয়া আপন বারে চলিল। অনম্ভর হরিণ ও কাক ও ইন্মূর অভিশ্য দঃখিত হইয়া ভাছার পশ্চাৎ গেল: এবণ ইন্মুর বিবেচনা করিয়া ৰশিল, আহাঃ ঐ কচ্ছপ কি আমাদের মিতা নয়, ভবে धरे छात्रो विभवनात्मर काहात वेकात करा आमारमञ् উচিত হয়: আমার পরামর্শ খন, ছরিণ জলের নিকটে গিয়া আপনাকে মৃভের নায় দেথাউক কাক ভাছার উপরে বসিয়া চোঁট দিয়া চোকরাউক : ভবে নিশ্চয এই वाधि कक्ष्मटक (कान शांदन ताथिया मनमा १८ मत (लाएक শীঘু আদিবে: ভাষার পর আমি নিয়া দাঁতেতে কচ্ছপের तञ्चन कार्षित, बाध निकटि बाडेटल रहामहा पूरे कर প্ৰাইবা। অনন্তর হরিণ ও কাক শীঘু গিয়া সেই রূপ করিলে পর ঐ ব্যাধ দূরে থাকিয়া ঐ হরিণকে মন্তের ন্যায় পড়িয়া থাকিতে দেখিল, তাহাতে নে কচ্চুপের শহিত আপন ধনুকে এক পাছতলাভে রাথিয়া হরিনের নিকটে গেল। ইহার মধ্যে ইন্মুর কচ্চপের বন্ধন কাটিলে त्म कक्क्न ७९कनार जल्म श्रुद्धम कहिन: बदर वे হরিও সেই ব্যাধকে বিকটে আসিতে দেখিয়া উটিয়া পলাইন। অভএব মিত্রনাভ করা ভাল, কেননা বিপদ कारम भित्र शाकिरम वर्ष डेमकाब मर्गि।

कान काक पाकानश्रेष्ठ अक शीरा हुद्रि कद्रिया উড়িয়া পিয়া বনের মধ্যে এক উচ্চ গাছে বলিল। সেই গাছতলাতে ক্ষিত এক শীয়াল ছিল। কাককে দেখিয়: में भौग्राम प्रति २ विनन, चाहाः ये शीठा यनि चाप्ति ধাইতে পাইভাম, ভবে বড় ভাল হইড, কেননা পেটের ছালাতে মরিভেছি। পরে দে ধৃর্ছ শীয়াল কাকের প্রতি पृथ् किंद्राहेगा क**ि पृत्**कारत बनिष्ठ नातिन, ७ छ প্রিয় মহাশর আপনকাকে দেখিতে বড় আহলাদিত আছি। আহাঃ আপনি কেমন দুদরে পক্ষী। বে লো: কেরা আপনকার নিন্দা করিয়া বলে, কাকের আকার ভাগ নয় ও ভাছায় বৰ্ণ কুৎসিত ও মলিন,ভাছায়া অতি দুট্ট ख खळान, काहा महिर काशनकात कश भारत। (h-থিয়া প্রায় হতজান হউতেছি, আপনকার শ্যামবর্গ रनयत्र मृत्रीत कितान किया यनप्रम कतिरक्षक् । अ कथा খুনিয়া কাক মহাশয় অতি আহলাদিত হুইয়া পাথা কা-ড়িতেও বুক ফুলাইতে সাগিল। পরে শীয়াল আরবার ভাছার প্রতি ধীরে ২ বলিতে লাগিল, আপনকার 🖔 মধের সুমধুর গান যদি ডনিতে পাইডাম, তবে আমার क्या मकल इडेक: (लारकदा तरण, आश्रमकांद्र गांन গুনিঙে ভাল লাগে না, হে মহালয়, ভাহাদের কথা কি মানিব : আপনি আমার এই সম্পেষ্টী ৰুচাউন,ভবে আফি দর্মস্থানে আপনকার দুখ্যাতি প্রচার করিব। কাক

শীয়ালের এই সকল কথাতে ভুলিয়া মনে করিল, শীয়াল সরল হইয়া কথা কহিছেছে; ভাষাতে লে ঠোঁট থুলিয়া কা করিলে পীচা পড়িয়া গোল। পরে শীয়াল দৌ-ড়িয়া গিয়া ভাষা ধরিয়া ভুলিয়া হাসিয়া গ্রাদ করিল, এসং কাক অভিশয় লক্ষা পাইয়া বলিল, আমি পাগল শীয়ালের স্তুতিবাদে মন দিলাম কেন।

হে প্রিয় বালক, ভোমরা কাহারে। মন স্তুতি করিও
না, এবং কেহ ভোমাদের স্তুত হাতি করিলে ভাহাতে
মন দিও না, কেননা যাহারা হোমাদের স্তুত করে,
হাহারা ভোমাদের মজল চেইটা না করিয়া কেবল
আপনাদের লাভ চেইটা করে।

mark . Character

२ ६ विनाज।

থে সাহেবেরা এই দেশের কর্ত্তা আছে, ভাহারা দকলে
বিলাভ হইতে আদিয়াছে। নে বিলাভদেশ কোথা ও
কভ দূর ও কেমন ভাহা কিঞ্জিৎ বলি। নাহেবেরা আশন
দেশকে বিলাভ বলে না, ভাহারা ভাষাকে ইণ্লও
কিয়া বিটেন বলে। সেই দেশ বদ্ধদেশের উন্তর পশ্চিমদিগে, আর ভথার যাইতে দুই পথ আছে। সমুদু পথ ও
দল পথ। সমুদু পথ অভি দূর প্রায় ৮০০০ কোশ। বে
ককল জাহাজ ইপ্লও হইতে কলিকাতা নগরে আইকে
আর সেথানে কিরিয়া বারু, দে ককল এই পথে যাতারাত করে; এই পথের নির্ম এই, কলিকাভাহইতে লক্ষ

कृतिता शक्षांवाधत निया श्रध्य पृष्ट मान प्रक्रित शिक्ष शिक्ष हिता साहेल शिक्ष हिता साहेल शिक्ष हिता है के किता है से कित

ইপ্লগুদেশের উত্তরে হটলগুনামক এক দেশ আছে; এই দূই দেশ সমুদ্ধেতে বেন্ডিত এবপ্তাহাতে যে ছাপ হঃ, তাহা ৩০০ কোশ লছা এবপ্১০০ কোশ চৌড়া। পুর্রেণে ঐ দূই দেশ পৃথক রাজ্য ছিল, কিন্তু সমুতি এক ব্যক্তি দুইএর শাসন করে। ইপ্লগুরে পশ্চিমদিগে অল্প দৃশে আরু এক দ্বীপ আছে, তাহার নাম আইর্লপ্ত; এই ছাপ অনুমান ১৫০ কোশ লছা ৮০ কোশ চৌড়া, আর তাহাও মহারাণীর অধীন।

ইপলগুদেশের ভূমি অতি উর্জ্ঞরা, ও দেইখানে বন ও পতিত ভূমি প্রায়নাই, এবপ এই দেশে অসপ্রা সুন্দর প্রাম ও নগর ও অটালিকা আছে; ইপলগুদেশের অ-নেক লোক বাণিকা, দ্বারা অতিশর ধনবান হইয়াছে: স্কট্লগুদেশে শীত প্রবল, আরু দেইখানে অনেক পর্ক্ত ও পতিত ভূমি ও মাই আছে, এই প্রযুক্ত লোকস্থ্যা ক্রম, এবং তাহাদের ধন ও বড় হয় নাই। তথাকারী আনেক মনুষা ভেড়া ও ছাগল চরাইয়া পর্ত্ত ও মাষ্টে বাস করে এবং অনেকে মংসাজীবী আছে। আইর্লপ্তদেশ নানা উচ্চ ও ফলবান বৃক্ষেতে আচ্চাদিত অতি উর্বায়া ভিমিবিশিক্ত দেশ ও তাহাতে নানা প্রকার শস্য উৎপঞ্চ

উক্ত তিব দেশে তিন প্রধান নগর আছে অর্থাই আইল্ডদেশে তৃত্রিন, ফটলগুদেশে এদিনবর্গ, ইংলাওদেহল স্থাপ্রতা লগুন নগর। লগুন নগর জগতের মধ্যে প্রধান লগে গণা, তাহা কলিকাতা অপেকা ছর ওলে বড়, আছি দেইখানে কোন থড়ের ঘর নাই, সকল ইউক নির্মিষ্ট প্রামাদ, আর প্রতি ঘরে দুই তিন তলা আছে। লগুন্ধান গার সম্দূর্ইতে ৩০ জোশ দুরে প্রেমসনদার তীরে নির্ভাগ এই নদার উপর দিয়া চারি সেতু নির্মিত হইয়াছে ওলাই নদার উপর দিয়া চারি সেতু নির্মিত হইয়াছে ওলাই নদার উপর দিয়া গার প্রেমসনদার তীরে নির্ভাগ গাই নদার উপর দিয়া গারি সেতু নির্মিত হইয়াছে ওলাই নদার নিচে দিয়া এক সূড়ল পথ প্রস্তুত করা গিয়াছে। বিভাগ করে। বিভাগ করে।

- COM

২ ৯ নুক্তাথেব।।

মুক্তা অভিসুদ্দর উজ্জ্ব গোলাকার বস্তু, মটর কলাই অংশকা কিছু কুদু। ধনবান লোক প্রায় সকল দেশে এলকারের জন্যে মুক্তার আদর করে; এক মুক্তা কুদু ইউলে ৫০ কিয়া ১০০ টাকাতে পাওয়া যায়, কিন্তু মূহৎ ষ্টলে ভাহার মূল্য ৫০০ কি ১০০০ টাকা হইতে পারে মুক্তা সমুদ্রের মধ্যে আনুকের ভিতরে জল্মে, এবং একং আনুকের ভিতরে কথন ৫।৬।৮ মুক্তা হয়। লঙাছা পের নিকটছ সমুদ্রেভ অনেক মুক্তা পাওয়া যায়, ভাহা কি প্রকারেশ্বরা যায়, ভাহা বলি ভন।

মুক্তা সমূদ্রের নিজ ধারে পাওয়া বায় না, কুলহইডে १ कि 🍃 (काम मृद्ध अक हड़ा चाट्छ, त्र हड़ा बत्स प्रधा, वर्षे, किन्दु जल शंकीत नरह, अनुप्रान ३৫ कि २० ছাত। ঐ চড়া লক্ষাটাপের শাসনকর্তার অধিকারস্ক, আর ডিনি বৎসর ২ ভাহা ইজারা দেন; কিন্তু বারে: भाग महेंथारन कर्य हरन ना, रकवन देहल ও देवणा है মালে চলে, কেননা দেই দুই মালে সমুদু কিছু সুদ্ধির. অন্য লময়ে লেই স্থানে ঢেউ প্রযুক্ত মৃক্তা ভোলা অসাধ্য। হৈ অসালের কিছু দিন পূর্বের অসংখ্য লোক সমূদের ভীরে একত হয়,ভাহারা সকলে থাকিবার জনে) বালির উপরে কুড়ির। ছর বান্ধে। কেছ মুক্তা কিনিবার জনো, কেছ भृका ज्लितात जाना, (कह माकान कतिवात जाना, (कह বা কৌতুক দেখিবার কবে। বায়। বাহার। মৃক্তা তুলি-ৰার কর্মেডে নিযুক্ত, ভাহার। দুই প্রহর রাজিতে নৌকায় ছড়ির। পাইল তুলিরা ছড়ার যায়; দেইখানে ভাহার मूर्या छेरायद्व किथिए शूर्ट्स (शाष्ट्र) कथेवर २० किये ৩০ নৌকা দেই স্থানে একত হয়। এক ২ বৌকাতে ১ জন प्राको, १ जन भश्रमणिक, ३० जन में हो अवभ ३० जन पूजूक श्रांक। थे हज़ाद निकार दासकोर अक जाराज नवह

कता चारक । न्या चेनत श्रेरंग ने चारारक सामारनक শব্দ হয়। ভাছা ভনিবা মাত্র নকল নৌকার লোকের। नवत किनिया कार्या चावष्ठ करत । जूवक सवीर वाहांका জলে ভূবিয়া মূকা তোলে, ভাহারা সকলে একেবারে ভোবে না, পাঁচং জন পালা করিয়া ভ্বে। ভ্বিবার্থ সময়ে ভাছায়া দক্ষিণ হাতে একথান বড় ছুৱা,বাম হাডে একটা চুপড়ি লয়, আর শীঘু সমৃদের তলাতে পৌছিবার শন্যে ভাছার। দুই পা এক তারি পাথরের উপরে দেয়্ দেই পাধর এক রুলিতে বান্ধা ধাকে, আরু দেই রনি নৌকার লোকের। ধরিয়া থাকে। সমুদু তলাতেঁ পৌছিলে পর ভাহার৷ সেই ছুরিভে প্রস্তরাদিতে দ৲লঞ্চ বিনুক থালিয়া বামহাতের ছ্পড়িতে রাথে। ঐ ছ্পড়িতে ও এক রদী বাস্তা থাকে, আর নৌকার এক জন তাহার এটি ধরিয়া খাকে। পরে ভূবক নিখাস ফেলিবার কন্যে वश्रम छेलाइ छिटा छथन (न वे उनी किछू नज़ाय, छाहाएँडे ৌকাতে স্থিত ব্যক্তি টের পাইরা চুপড়ি ভূলিরা ঝিরুক ষ্কল নৌকাতে ফেলিয়া রাথে। পরে অনা জুবরু নামে। 43 প্रकात (मज़ श्रहत नवां ह मुक्तास्वर) कर्म हरेला পরে আর বার কামানের শব্ হয়, ভাহাতে লকল নৌকার লোক লঙ্গর তুলির। ভীরে যায়। সেইবালে राहाता नकम विवृक्त विज्ञास्त एवता अक विरमध सार्व ভূমির উপরে ছড়ির। বের। ভাহাতে রৌদের ভেজ প্রযুক্ত বিদুক শীঘু পচির। যায়। তাহার পর বিনৃক শ্লির। ভাহার ভিতরহইতে মৃকা ধলাইয়। বড় এক

২৭ এক বুলিমান কুকুরের কথা।

্রেণ্ড্রার ৮০০ বৎসর হইল ফুনচদেশে অব্রিনামক এন প্রের্ণ্ড জনবান বাজি ছিল। এই ব্যক্তির বড় একটি কুকুর ছিল। কোন দিনে সে আপন কুকুরকে সজে লইটা এক ছল দিয়া বাইভেছিল; সেই বনের মধ্যে মাকারি আমক, ভাছার এক জন শার্শ্বাটি বনিরা ভাছাকে আফর্মণ করিয়া সংহার করিল। পরে ভাছাক্ত দেহকে ক্র গাছের জলাতে পুতিয়া হাথিরস্কালভারি চলিয়া গোল। কিন্তু এ কুকুর আপন মৃত কর্তার দেহকে দূই তিন ক্রিম পর্যান্ত ভাগে করিল না। ক্রবলেবে ক্র্যার্ড হট্যা কর্মনে আদনিয়া আপন হত কর্তার যে এক জন বস্কু কিল, ভাছার ব্যক্তে গেল। এবং ভেটং ক্রিয়া ভাশিক

कार्याक बराबरक वे जिला कि है बेरिएक माजिन, अ बार कारक विशा में अमुकारक भागनाई नत्त शहरक धकांक नरकड करिन। त्यस वे वाकि कुन्तक अवि काफर्वा वाक्टाइ मिथिया छोटाइ नरम वाहित्द संगर् क्कृत 'डाशरिक' यस्त्र 'डिडरत 'थे' शाक डनाटड लहे से तान, चात ताबारन हो। दिशा मारि ब्रिशा चानन अक्ट्री भव (संबाहेको मिन); किछ एक ठोहाएक यथ कहिताई लाहा विवरत से कूकूरहर समाधा लिया। किंदू विवासिक ঐ কুকুর বৈৰাৎ মাকারির দেখা পাইল। ভাছাতে 🙀 অভি রাণাঞ্জি হইয়া দৌড়িয়া তাহাকে এমন শক 🚁 কামড়াইয়া ধরিল যে ভাহতে ছাড়ান প্রার জনাধা ছিল शरत संकरन चाण्डर्य रवाध कतिया बनिन, व कुङ्कतर शामका अरनक मिन अवधि अभि, अ अछि मृत् ७ अहि 🔆 নক, ইহার এমত জোধ এই ব্যক্তির প্রতি কেন হইল 🖟 তাহাতে কেই ২ কহিল, আমরা জানি, আপন মৃত কর্ত্তাই হতি এই কুকুরের অভিনয় হেছে ছিল, আর ইহাক कालि, वे माकाति मृष्ड कार्तिक शतमान् छिन, कि जानि, वे मानाहि राष्ट्रीरक वश कतिहास्त्र। शहर वरी वांकाल কর্ণাচর হওয়াতে ডিনি ঐ কুকুরকে আপনার কাছে अस्तिहरू। क्षेत्रके देवरे कूतून कालिया कठि नगढ ६ रेग्रो लाक्षिका क्रिक्क कतिल मा, किछ तालात मिकटके ये गर्कन क्षिक, डोड्रात्मक प्रधा यथन प्राकातिक स्विर्छ পাইক্ত ক্ষম যে ভর্জন গর্জন করিয়া ভাহাকে ধরিছে: भिन्। रनरे मग्रदा ये स्ट्रां अहे शीन हिन, विवादकर्षादा

प्रकारक रकान कानी अधिवासिक विकास क क्रिक्ट यहि के लाविक, करने कार्रा की भारतीर युक्त करायेख, क्याना काशाबा बागिक वि विक्रिय वाक्टिक कथन शाहिरक मिरवन नात होता प्रकारिक मेरिक कुकूरवृत र दिवान क्रिक्रांत के कि जानियों के स्ट्रेस क्ष कराईएड शाका विमा अवेडे युक्त विश्वित वारतन इंसोक बंदज रहेंस। वाका मामादिएक अरु लाहि होत् भहेरक आव्यक्ति जिला, अये देखून शास शहेना सहारर क्षिया विभाग केतिएक भारत, अमन प्रशाहारन अकरी किली जाबिएक केरिया। युष्टत वरे श्रकात बेरगात ক্রিলে শর ভাছার। ক্রুকুরকৈ সাকারির প্রতি স্থাড়িছ বিদা ভাষাতে কুকুর আকারির ইনতে লাটারেখিক ब्रिट्स के अपने जोहरतक वृतिया २६ लोकिन, क्रांब्र नारद कुकूत शकाद वानिया बामारक बंदर वह खेरस मानाहि कं विहरत सामिन, अवरणरवे कुकुद्र विभिन्न ने नियम क्षेत्र के हीनवक क कार्यन हरानी त्रिका है है। क्रियन कड़िया प्रवास्त्र श्रीवया खेलाकिया प्रायन क्षणिय। प्राकावि अवैक्निकाविका,विक्रिक्षिक राजारिक न लाक दिन निकास केर्पक कार्य लाग निवाद अंदिन , भारत प्रांता स्वीदित क्रवल क्राहित्य क्षा किया । 🐃

हिं जेका विवशक मीति कथा।

पूरे बनम मारहक याथा नापर शाना लिया भारत निका अहिरक काधिन । काशास्त्र होति है वाच काराजिक्टक (प्रक्रिया मान ६ , सारिका वक सम्बद्ध विक्रिक्त बाहर है लाहे, छट , मामहर निवातक वृत्त किन्द्र क्षेत्र अवज्ञ शाकिरण चार्क रिक्ता कवित्क जातिका, किनना अक जनरे वर्ति व उत्द अन्य अन्य आदिका नृत्यात आमारक सें ठाइर्जू विभिन्त अस्त कोशामन शत्मन विम्नु क्यारे, रूरे जनरक प्राप्तिय । अस् श्रास्त्रः भटन विक कृषिक् चालत बारवाक वक महत्र छान निया योहर स् এক ব্যৱস্থ জাছে আলিয়া তাহার কাণে বলিক কুমি अमन शाशम (रहन, वे उन्नम रहामात अप मुकन वार . इ.स. १ कामात विष्कृते. धार्कित मा, कृमि ठाराहरू काणिया (त्रु ।, वनत वास्त्र कथा विक्रमताप्रक वृक्ति अन्। अवशत्क कृत्राका अनिया मृत्त्वत्व संकारेया हुई क्षिका विका । शरत बाब साश्रम छाव किनिया निक माहिता वर इनस्टन चारफ श्रुविकः कामजारेका न कहिल, शद्ध समा अनरमज काफ शिया छारास्कर्व वर्ष क्षिक कालाव शक ता दिल्या, व दलगढ़ वयनि वी ने वनम् बनाकात खाना चालन घरत नहेता यहि । में नूहे वनस्यक् विराह्त इहिन रवसमे मुख्याण इहेन, रवसमे मुक् गामक माथा ७ इस् क्लिस्न एक क्रांका ७ वर बादा विवास COLUMN AND THE RESERVE OF THE BEAUTY OF THE

क्या क्रांकिर रूप श्रेस हिन अवस्तर राइ के विशाप THE STATE OF THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE P विक्रि विक्रित, कामना नक्षि वक्ष वाहि बहेश बामान मिल बाहेंग। सहराच बाह्यता (गहें क्य केतिया गाह त विक्रमान विकि, रकामीय शास्त्र स्व मानिकारक कारा कारिक केर्य के बार्य कार्य है कारिक के मार्थ के कार्य के कार्य ৰিয়া আনৰ হাঁটুৰ উপত্তে অনাকাৰে ভালিয়া কেলিল-विक्री चात्र वर केवर के तारे ज्या र निनः काशास्त्र (र व बोन्द्र-नाठ छाजिन्। ठारांड भव शिठा बन्ना चारे ब्रिस्ट नावि नहेश चार्ति वहिया दक्षा वाहिन चार अस्यासके श्राफ निया विनिन्, असेन छान स्थित कार्याः क्षिति। पानक रहके। कृतिरम् के पानिएक ना शाहाः उ शिकारक राणिन, इन्हें बुकिश लाहि नृबक कहिरन छ। लिए गावि, अन्य दरेरत शादिका है बर निका कारा विशेष विनिन, देखे, अबाद स्ट्रेटम क्यान्य इस एकावरा क्षेत्र देशक अपने के विकास का विकास के अर्थ रकाव निक्र रकामारमद्वीव ना कतिरक नाहिएक वा!

२० विष्युद्धारमञ्जूषियत्रव

त्य तक त्राम चामता याम कृति, छाडा विश्व द्रारवट

के अध्ये हिन्द्रात पवित्र तम द्वार अ (काम नहा उपन क्यान कोज़ा थ कार्ति प्राप्त कमद्र प्रशेषकारि कार्क बान करते। ठाराई केवन माम दिया नक्ष्मक्षं न किमगोमा निक्नकी, भूक्षगोमा युक्तभूक्षेत्रह कॅक्टिक्नीमी नमुम्। बड़े (नरलंद मर्था दिमानद दिखी शक्ति अधान शक्ति (अनी बाह्या जन्म न मक्त अबंदि इटेंड चरनक नमी निर्शेष इहेंडा नग्रहाई नेए. चर्वा दिमानवहरेए नन् ७ निक् ७ वर्क रिकाहन सम्दर्क महानमी नर्मना जाति, चारेस्ट कुं কাৰেরী গোষীবেরী বাহির হয়। সেই লকল নদীর স্থানী নিশেরত গাঁদীনদীর উভয় তীর অতিউল্লেখ তাহাটি सतीय भना उपना इस्। तिकृत्मीत मुर्खशास्त्र अवसी उरु प्रकृष्टि चार्ट्स (महेशारन नाष्ट्र कि वान किंदूर इंद्र न हानूब ७ शाय थारक ना ! शिक्ट्यारन ये शब्द भारक, कार्श्व जैनादा निविष् यम ए मह वाम बात्रक लड बारक, बंदी शांकि बाद प्रदिश श्कामि। रिफ्र्इीरनत प्रार्था जिन श्रेकात रंगांक बाग करते। प्रवास शब्दकीय लिकि, छाड़ीया मन्यादि कर्य ब्रह्म बरत बान करिया भड़े भारिया विनेशांच करते. छाड़ोर्स्य विलाव अधिकारक, काराजा शक्तिमानुका करत मा, विक वना कुरामक रमवा वरत, यात वर फुरामत कारक इक्षा (छका भूकते शह प्रदेश विन (मंग्र) छाहारम् मत्या (कर्रामधा भए। जात्य ना ७ ठाहाना जाकित विहास करत मा, काश्यम दिन्द्रशास्त्र वामिनवामी।

विकासका विकास । कावाइन और त्यून संविधिक कर् मानुसाम का कार्य त्यून साथ विकास के कारक मूर्व के कुलीयका सूनमाना । काकाइन कियून हो क्वा कि क्षिति हैं मानुसाम कार्य के कार्य के किया के त्यून क्षी के किया किया क्षितिक, क्षारा के कार्य करता ।

ि विक्रशास पूरे जाता विच्छा रहा, वेखहा-विक्रशास । मिल्यविक्रशास । शास्त्रवाह क्षात्रम माम देखान । कार करें इने जान जानताह क्षात्रम १ (क्यांने विक्रांत्र)त्व विक्रिक जात्व, तम जनम हाना वर्ष्ट्राप्त' कात्म श्राप्त विक्रांत्रम हानीत, तम्बन मिलाव तिमान च नाईक हाना वाशीन वर्षाय जवानान हानीता विक्रांत्रामणाप मिनाक कर (नहां सा)

ें विभाग्नाकरण।क विष्युद्धानरक गाहि श्रारिश क्रिक्ष ेक्टिशास्त्र कार्थाव

े विकास श्रीमंत्र, साहां हे ब्राश कितियांचा हा सहीता के बांगू। श्रीमंत्र, एकाह बांगू। श्रीमंत्र महाह । के मासूनिक श्रीमंत्र, तिकाहित मासूनिक श्रीमंत्र महाह । के माहि श्रीमहत्त्व हैन्द्रिक महिलाक निवास के स्वास्त्र कार्य कावस्त्रका निवास, विक कितियांचा नशरहर के स्वास्त्र कर कावस्त्रका निवास, विक कितियांचा नशरहर के स्वास्त्र कर कावस्त्र कराह, विक कितियांचा नशरहर के स्वास्त्र कराह कराह कराह ।

व्ह (केंग्निंगमी योबाहर ।

निका विक् श्रव असामक माकि राव व अभिवादि व्यक्तियों को दार्गक राजा (व्यक्तियों कि प्रश्नीति प्रमुख अभिवादण्य (यह राज द्वावारी वर्णी के लाक क विकादण राज वर्ण, क्रुशनांक क्षार्थ प्रकृ

का। क्षिन्नानी क्रीलाई के यह शेक्ट के तर क्षिन्नानी क्रीला होंगे क्षि क्षि करिए श्रीले शाद या, क्ष का शिलाग क्षेट क्ष्म कि उप क्षिले शाद प्रेख वरि, किलागा प्रिक्ष कि प्रेडिंगे गारामाक बाग करा, शहरापत क्षि कि प्रेडिंगे प्रक्र बात के शिलागा करा, कि क्षाम या क्षालिंगे गाँक करिया मिनगांच करा, कि क्षाम या क्षालिंगे गाँक कर्मा परा गाँउ मा, कर कि का मिट लाइ क्षा वर्ष करवा छाशापत ०,६ जन मिनिश क्षा का क्षा किलिक्स माक बादबार करा, भरत कर कार क्षा करा, गाँउ शहरी। करा किता मन, कर इस कार करा, गाँउ

निराधका रक्षमन् आधि किन्नू कृति ना र

- अक्ष । यन, रेक्ष्ण कारण कानक महायन व्यक्ति वारांत्रा सोकारवारा मानः तिला शिता वानिका क्रिक्ष वासक थन भक्षम करत । मूर्यकारम वारांत्रः वक्ष्ण विश्व ना विश्व मेक्स्ट्रिक्ट हरेन वार्टरित मरण क्रिक्स

विक्रिकेटिक बाहाक ल अविक प्रकृतिकित (क ति। काराहा एविहाँकिन, अहे स्तिति बरतक पन माउः मास । विका अर्थ में व शहर कार्य व नाहां के राहत निक बात हरू। बेर बाई कहा कर सत्तेत पक्ति हिए किया विकास कार्या हो। जब जिल्ली होका जना विका अधिक विभिन्नी यो विका पूर्रवाटक रेकेक कि केरिए। क्षेत्र, निद्ध काहा भागारेग विनन, वर बनवाल ... केंद्र मुक्ति हरेटर होहा चाप्रदा छात्र वेहिया महेदा = अहाजमहोत्रक आणा शृब हहेल, त्क्रमणे शहात्मक अ জ্ঞানিজোতে অধিক লাভ হুটল, ভাহাতে ভাহারা অধিক काराज श्रुष्ठ कवित्रा वाद । विश्व सारत लाक्षरिः मातिम, जारन जारा २ साधिक मारक है। का विशेषा देश (का)त अश्लिमात हरेक। अहे नक्त अश्लिमात महार कियानी नत्म। भूखंकारम जाहान। क्यान नानिः করিত, সমৃতি ভাহার: দেশ অধিকার করিবা **প্র**কাণে कारक कर भारत जाहा क्षांत्र दाविका करत मा। बार अवेब सक् ६ खा भिषाद इक्केश्वर ।

্ শিষ্য। শত ১: অশ্শিদার ছইলে দেশের সাম্য বি প্রকারে হয়, ভাহার।কি সকলে রুক্ষি হইয়াছে শ

ত্ত। না, সকলে রাজা নয়। ভাষ্ট্রা সকলে একও ব্রুক্তা আপ্রাদের স্থাহইতে ১৪ জন নিরুক্ত করিছ। আছে। এই ২৪ জন সভা করিছা নেশ্রের শাসন করে। ভাষাদের নাম কোট অক্তোইরেকটর্ম, এবন ভাষ্ট্রের প্রথা এক জন সভাপতি আছে। এই বেশে যভ সাহেত আনিয়া কৰা কি কাজিটেটু কি ক্ৰেক্ট্ৰ কিয়া নেবাৰ তিওঁ কৰা কৰে, তাহাৱা সকলে ঐ ২৪ জন থাৱা শিগুৰ

শিক্ষা আমি তনিজাছি, ইপলতে এক রাণী আছে।
কার আপনি রলেন এই সভার শোকের। হিন্দুর্বের
ইপরে কর্তৃর করে, তবে ব্যি ইহারা রাণীর অধীন নয়।
গুরু । অধীন কৈ কি, রাণী সর্বশ্রেষ্ঠা ও কোরানী
চাহার অধীন, আর কোরানীর ভতাবধারণ ও তাহার
সনার নিবারন করিতে রাণী কর্তৃত নিযুক্ত আর এক
সভা আছে, এই সভাতে রাণীর মন্ত্রির। সমে ও ভাহার
নাম কোট আফ কণ্টোল, এই সভার অনুম্ভি ছার্
হিন্দুর্ভানের গবরনর নিযুক্ত হইতে পারে ধা।

শিষ্য। রাণীর ইচ্ছা হইলে তিনি এই দক্ষ দেরী কোস্লানীর হাতহইতে লইজে পালেন কি না।

ন্তর। রাজী পারেন না, কিন্তু ইপ্লন্তনেশে **বে মহ**ী_র বহা **আহে**ত, সে পারে।

লিষা। দে আরবার কি ব আর এক সভাং দে কেমন। শুরু। আজি খাকুক, এই মহাসভার কথা অনা কে।ব শুনরে বিশ্বি।

७) शहें जा

শিকা। হে এর মহাশার, আমি বার ২ পর্যক্তের ক্রী গনিয়াছি, পর্যাত কাহাকে যলে অনুগুহ করিয়া বলুক, আমি পর্যাত কথন দেখি নাই। ्रिमिशा कार्बाटकेन कार्कान (कप्रम । 🕬

सिक । शर्वर्ष्ट्य पृष्ट श्रकात माकात साहिए। रक न भैमांड शृक्षात्रत शालत नाम गमा, डाशात शर्मात्य शर्वात्यः स्थान, अभन शर्माडलाभी रकान का सात्व रूपान ८०० कि ५०० द्वीलाम नेहा। सन्। रकान शर्माक स्थान १००० कि ५०० सोर्व केक श्रेषा केत्रियास, डाशांस्क शर्मात्य वर्षाः। संभिया। शर्माडला स्थान के प्रामुख साहिए।

स्वक किया, भावत थाकि व ना क्वन, क्वान ६ गक क्वार क्वार क्वा के बागान चारक, बत चारक, नगर चारक, किंद्र भारतक गर्मां के बन्नां बारक। तन वक बान क्वां मिलिय वीतक्षि नामक स्थ क्वां चार्य बार्य बहेनक गर्में चारक, बिद्ध तम् गर्मन गर्मां के बारक क्वां किया वाम क्वां के चारक क्वां कि बहन श्रीम मान ति सामक कार्कि विकास को निर्माण जान कर का कार्कि भारत त्वाम अवेद निर्माण के वहक मुळे हहा। व्यवस्था केलनबर्ट इन्टेन्ट्रि

্রশিক্ষা। বাড়বানল পর্যক্ত কাছাকে বলে।

प्रक्रा। य शर्यकर्षेट्ठ क्यासन हैत्य काशास्त्र वाक्ने सामन शर्यक गरन।

भिका। "(म (क्यन)

প্রস্তা এ বাছবানল পর্যন্তের কথা বড় আশ্চর্যা।
প্রন, প্রমল পর্যন্তের চূড়াতে বড় এক গভার গর্জ কারে,
নে গর্জ কভ গভার ভাষা বজা যায় না। কাছানের মুখ্
ইইছে বেছন আগুন ও পুরুক্ত গোলা বাহির হয়, কোল গেই গর্জহইতে ধুম ও আগুনের সহিত বড় ২ পাগর জ গলিও লোহা বাহির হয়; এই গলিভ গোহাণ ও পাগর পর্যন্তের পাথে দিয়া নীচে বহিয়া যায়, আগুন ও ধুয় ও ভন্ম আকাশে উঠে, আর ভন্ম বাভাল ভরে যেদিগে উড়িকা গিয়া পড়ে, সেইখানকার ভ্রি আনেক লোশ পর্যন্ত, আফ্রাদিও হয়। কিন্তু পর্যভেইতে অমি নিয়া পর্যন্ত, আফ্রাদিও হয়। কিন্তু পর্যভেইতে অমি নিয়া নির্গত, হয় না, কথন ১ ১০ কিয়া ৩০ বৎসর প্রাপ্ত গেই গর্মজন এক প্রকার নিধিত হইয়া থাকে, অর্থাৎ আর্জন নির্গত হয় না, জার যথন জাগে, ভথন দুই ডিল ছিন গ্রম্ভ ভর্মি, আর যথন জাগে, ভথন দুই ডিল ছিন The state of the s

७६ बाष्ट्राम्ड।

योध की अर्थ एक नामिया मन्यालय अर्था के मानियाहित, अर्थ क्या मृत्य यिश्वाहित, अर्थ के मान् एक विश्वाहित, अर्थ के मान् एक यिश्वाहित, अर्थ के मान् एक यिश्वाहित, अर्थ के मान् एक यिश्वाहित अर्थ के मान् एक यिश्वाहित का मान्य मर्थित के मान्य क

्र कृषि अंगरण का का किया जीवनवन में किनाइर

2017年12日 - 日本大学 (1985年14日)

্থামি অনেতের পরিতাবের মূলায়ণ আপর ক্রিবিড আক্রিয়াছি।

আরি জ্ঞাৎন্ লোকনের পরিত্রাণ সময় করিব। নিমিন্তে আপন প্রাণ উৎসর্গ করিব।

., २०० शर्मभूष्ठक।

বর্মপুর্ভাকর দুই প্রধান ভাগ আছে, ১ আদিভাগ,
ভারত প্রক্রাণ পুন্তের কমের পুনের রচিত ইইবাছিল,
অন্তচ্চাণা, ভাহা থার পুনের পুনের পরে রচিত। বি
ইই ভাগতে পুরাভাগ নিয়মের পুনার ও ন্তন নিয়মের
পুনার বালে, কেননা পুনিউর জনোর পুনের ইপর মধ্বান ক্ষেত্র বালে, কেননা পুনিউর জনোর পুনের ইপর মধ্বান ক্ষেত্র বালে, কেননা পুনিউর জনোর পুনের ইপর মধ্বান ক্ষেত্র বালে, কেনা ক্ষাছিলেন, তেই সকল আদিভাগে লেনা আক্রা দিবাছিলেন, সেই সকল আদিভাগে লেনা আক্রান্তা আর পুনিকারণ বালি নিয়মান্ত বালিছা বিভাতে, ভাবা অন্তলাপে লেনা আহিছা

अगरम चानि चीरतेत क्या किंदू विनि । चानि चानि छोने पुण्यस्य विकास स्म ; अहे नक्या पुर्द क्या प्रमुखांबाह्य के विकास समाम स्मान अग्रेस १५ जेन संगंधक चारक क

MANY POLICE STREET, WILLIAM STREET, SALES STATE रक्ट रमनागवि ४वर गामा, रक्ट क्रांबाम, रक्ट व क्षिक उ देनदेशक हिना काराएक क्रम करे 100 1000 1000, 1000 2000, 100 boo, 1000 इंदर्भ तथनक जब गुर्ग निकारित ; विस श्राहा बर्मुक भविष भारत भारेशायिन, उपशुक्क अंशात्र ब्रेह्रे मैक्रलंब लेवब्र मम्पूर्व भाग चार्छ। तक शुरू जिन भूक्षेत्र वर्षा व हे हिर्ग न देशहरण भवन कवितासका ब्रेड शुद्र मकुरलंड नाम अथम लिबि। 🎋 🤼 श्री श्राप्त के कियान गुत्र | ३ | व्यक्तिश्रुवक ; ६ | याकाश्रुवक 🏂। 'मिबीय्रश्रुक्षकं, ८। श्रिकार विकरनः এই পাঁচ গুড় মৃদা লিখিরাছে, আর ভাষাতে জগতেন न्हि, ७ क्रमञ्जावन ७ हेतु।शेरमंत्र दूदान, ७ हेनुरेदानः ल्लाक्टरकं भिनद्रपर्णनभव ए स्निहे प्रमानकर के निर्माण अभागविश बावस्। (नथा व्यस्क्राः

्रिका विद्यान्त्रक श्रुष्ट । भूनाव क्षित्रक विद्यान्त्र हेन्। श्रुकार्त्राक्रमित्रक कि श्रकात कितानस्मान करेवा निर्देश श्रिके स्मन व्यक्तिकात कर्ताहेशाण्यिक छाद्यक्ष व्यक्ति श्रुक्ति

নি বিচায়কট্রিররণ। বিহেনশ্র ছরিদে শর ৪০০ বিষয় পর্যান্ত ইপারেলপোরকর। কি প্রকার মুদ্ধ করিয়া বিষয় ও কে ২ কাহাদের, অধাক ছিল, কাহা এই গুড় অধিয়া দায়।

का अंक १ अरे क्ष्म शुरुष त्यावंत्र मामल-नायुक्तका ।

প্ৰশাসৰ ক্ষেত্ৰৰ কামী ভাষাৰ প্ৰশিতামহার সুকার সেশা আছে।

ा व्यक्तिक। निम्दारनात पृष्टे श्रेष्ट्रा निम्दान व्यक्ति सम्बद्धा अरे पृष्टे शुद्धत्व भीत हाजा ७ मार्गम् ताक्तिक विकासिक विवद्धत मिथिसास्त्र ।

अत्र अर। ब्रांकावनित पृष्टे गुष्ट् । ठाशाल मौत्र प्रत श्रुष्ट मृद्यमान ও তাशांत वश्राका विक्रणानभनि नानी ताका जवन ও তাशांत ताका, व्यवश्राका निवामी मण शांकीत ताका नकन ও তাशांत्रत ताका, व्यवश्राक्ष व

১৩ আর ১৪ দৰ্শনাবলির দুই গ্রন্থ। তাহাতে আদ্দ অবধি দায়ুদ রাজা প্রান্ত, দারুদ রাজার এবং অন্যান্য প্রমান ইদ্যারেললোকদের বশ্বাবলি, এবশ দায়ুদ রাজা অবধি রিহুদা ও ইদ্যায়েল রাজ্যের লোপ প্রায়ের সংক্ষেপ বিবরণ পাওয়া যায়।

বি আর ১৬। ইয়া এবং নিছিমিয় বির্দী লোকেরা কি প্রকারে বাবিলনেশ হইতে ফিরিয়া কিনানদেশে আদিয়া বিরশালমনগর ও তথাকার মন্দির পুননিশি মান করিয়াছিল, তাহার বিবরণ এই দুই গুছে পাঞ্যা বার।

39। ইটের। ইটের নামুী যিহুদা বংশীয় এক ক্র্যা কি প্রকারে নাবিল রাজার পত্নী হইল, ও ভাছার শত্নী হইরা কি প্রকারে বিহুদালোকদিগকে আপর পুৰুত্ব হ'ল কৰিব ব্লাং দিয়াৰ কৰি। কৰি পুৰে ক্ৰিত আছে।

্রিয়েক ১৫০ গীত আছে। এই গ্রীক সকলের অধিকাশ দায়ুদ রাজার রচিত।

২০। হিজোপদেশ। এই গুণ্ডে দূলেমান রাজার লিখিত নানা-প্রকার নীতি ও ধর্মের শিক্ষা পাঃওয়া বায়। ১১। উপদেশক। এই পুত্তকে দূলেমান রাজা এন দুগ্রনারের অলাকভা ও অধারতা বিষয়ক নানা উপদেশ বিশিয়াছে।

্রহ। পরস্থীত। ধুবক ধুবতির পরস্কর বে প্রণয় তাহ। দুর্লীরস্থল করিয়া পরমেশর আপন ভজাকেনের শহিত কি সম্ভাগোধন, ভাষা স্লেমান রাজা এই গীকেতে কবিতা ছালা রচনা করিয়াছে।

ুত্তীয়তঃ ভবিষাৎবাকা। ২৩। বিশ্বিয়। কেনার্দ রাজ বংশলাত এক জন ভবিষাৎবক্তা ছিল; দে এই গ্রুছেতে বিহুরী লোক আরু অনুম্বেশীয় সোকদের পাপ প্রকাশ কুরিয়া নকলকে ইখর ও মার্মের প্রতি মন কিরাইতে বিনর করিয়ায়ে। এবং ইখুরুক্ত লোকদের কান্দ্রন কৰিবার কলে খুটিই আগমন ও উহার রাকার্ডি বিষয়ক নামা ভবিষাৎবাকা বলিরাছে।

২৪। যিরিমির। এও এক জন ভবিবাৎ বক্তা, আরু ক এই পুষ্ককেতে বিহুনীলেশ ও বিরশালমনগর ওতথা বিশ্ব মন্দিরের উচ্ছিন হওন, এবং থিহুনীলোকদের বাবিন-দেশে নীত হওন ও সভারি বৎনর পরে ভখাছ্ইট্র ফরিরা আইনন, এবং খাইটিও ভাহার বাকোর ভবিষাই আগ্রামন বিষয়ক অবেক কথা লিখিয়াছে।

২৫। বিলাপ। এই পুস্তকে বিরিমিয় হিকশালয়ে। নাশপুরুক্ত বিলাপ করিয়াছে।

२७। विक्रिक्सन। तम विक्रंणानमनगरतत माण अ श्रीन-निर्द्धान अवर्ष अध्यक्षित छेक्सि १७न ७ ग्रीरंकेत ताला विक्रमक ভविषार्थाका निथिशास्त्र ।

ংগ। দানিয়েল নামক এক রাজবংশকাত বিব্রাগৈ কি প্রকারে বাবিলদেশে নীত আর সেইখানে রাজারী লাছে বড় সমুন প্রাপ্ত দ্বল, ভাষার বিবরণ এই গ্রুছে শেখা আছে।

উক্ত চারি কর ভবিষাৎবক্তাকে বড় ভবিষাৎবক্তা বলা যায়, কেননা কাহাদের গ্রন্থ বিস্তারিক, লাচ্ছাল লিখিছ ১২ মানকৈ কৃত্যু ভবিষাৎখকো বলো, বেহেতু তাহা-দের গ্রন্থ কৃত্যু

रेष्ट्र रहार्णयः, २० स्थारकसः, ०० व्याप्तानः, ०० विके मिसः ०२ व्यापः, ०० मीन्सः, ०८ स्ट्राः, ०८ स्टब्रुकः, ०० निकसितः, ०० द्यापः, ०० निकसितः, ०० प्रनाबि । जर् বাংশা অনের গুর্ছেতে পাশিলৈর শান্তিও থাছিল। মললবিষয়ক নানা উপদেশ, এবং খ্রীক্টের রাজাবিষয়ক নানা ভবিষাংবাকা লিখিত আছে।

্ ৩ ধর্মপুস্তকের অন্তভাগ।

े अहे बढ़कान योव शेरिक माठ बन निया कर्ज़ हिन्द्र हिन्

প্রথমতঃ ইতিহাস গুড়। ১। মথি; সে যীরঞ্জিন এক জন প্রেরিত; এই পুস্তকে সে শ্রীষ্টের চরিত্র বর্ণন করিয়াছে।

্রি মার্ক খ্রীটের শিষ্য ও পিতরের সজী ছিল, ক পুরেতে সেও আপন ওকর জীবন বৃত্তার লিখিয়াকে ৩। পূর্ব খ্রীটের শিষ্য ও পৌলের সজী ছিল, গে ও এই পুরুষ্কে খ্রীটের বৃত্তান্ত গোড়া অবধি গৈ প্রাক্তি লিখিয়াকো

8] रहाहन श्रीरक्षेत्र शिव भित्रों से कारात श्रितिक, त्र रेक्सिन नश्रद्धा बाकिया वृज्यविद्यारक खालन श्रेष्ट्र कर्या खेलानरणेत्र विवद्य वह शुरुद्धक लिथियारक । विश्व क्रिकिक हाति शुरुद्धक नाम सन्ननमान्त्रक ।

े को नेद्रिकरंगत किया; कोरंगत महीरण मूर्करेग की इंद्रुक्तरण श्रीरकेत वालेश केन श्रीतक, विश्ववका बर्गा अधिक रणीरमञ्जूष ६ योजा । मृश्यरकारतात तृजाहे. त्वातिक करण निथियारक।

ছিতীয়তঃ পতা। ৬। রোমীয়দের প্রকি পতা; ৭ করিছারদের প্রকি প্রথম পতা; ৮ করিছায়দের প্রতি ছিতীয়া
পতা; ৯ গলাতীয়দের প্রতি পতা; ১০ ইফিঘারদের প্রতি:
পতা; ১১ কিলিপারদের প্রতি পতা; ১২ কল্পার্ডের্ল্ল প্রতি পতা; ১৩ থিবলনাকীয়দের প্রতি প্রথম পতা; ১৪ থিয়লনাকারদের প্রতি ছিতীয় পতা; ১৫ তামথির প্রতি প্রথম পতা; ১৬ তামথির প্রতি ছিতীয় পতা; ১৭ তাড;
১৮ ফিলামোন; ১৯ ইব্রায়দের প্রতি পতা;

এই ১৩ পত্ত পৌল প্রেরিত দার। লিখিত ছইরাছে, এবং তাহাতে ধর্ম ও নীতি বিবয়ক নানা উপদেশী শাওয়া ধার।

ইহার পরে ২০ নাকুবের পাল; ২০ পিডারের প্রথম পাল; ২২ পিডারের বিভান পাল; ২৩ গোল্নের প্রথম; ২৪ যোলনের ছিতীয়; ২৫ যোলনের ভৃতীয় পাল; ২৬ নিহ্ালার পাল, এই সাত পাল সোধা আছে। নাকুন, পিভার, যোলন, বিহুলা ইহারা সকলে ধার্ত্ত্বীয়েনির পোরিত ছিল, ও তাহার। ঐ সকল পাজেরে নানা প্রকার ধর্মাউপনেশ্র লিথিয়াছে।

্তৃতীয়ত। ভবিষয়াকা। ২৭। যোহনের প্রকাশিক ভবিষয়াকা। ইহায় পরে খ্রীকিয়ান লোকদের কি কৃথে হইবে, ও শেৰে খ্রীষ্ট কি প্রকারে আপন পত্র সকলকে তথ করিবেন, ভাইার মর্ণনা যোহক এই পুরুকে করিয়াছে।

ं ०० मानाम्दर्भा।

धाना कृति वन, त्वहै बदन शाकि, महिष श्रेक्षा, वाह र्वप्रक्तिः विभिन्न अक थारक। (य नमग्र कार्यक्षिः हैंभवाङ्गः (माक्क त्नेहे (मर्ग्य अणि मस्तारयांश क्रियारकः रह नम्स् অৰ্থি ভাহাৰ ক্ৰেম ২ উন্ভি হইভেছে। আসাম দেশ সঞ্জ ভেলাতে বিভক্ত হয়। ১ গোয়ালপাড়া, ২ **ভাগৰ্**প, ও মুর্ক, ৪ নোরাক, ৫ সিবপুর, ৬ লক্ষ্যপুর, ৭ সাইয়া 🖟 অ্লাম্ৰেশীয় লোক হিন্মুদর্ম মানে, এবশ বছভাষার্ মহিত ভাহাদের ভাষার আনেক সম্রগ্ধ আছে। সেই দেশে নারিকেল ও স্থালগাছ জন্মে না, কিন্তু অনেক ধান, ডামারু, नुलाहि, हेक् इस, बद० (मश्रात এड शृहि (<mark>लाका जत्य</mark>) -া দেশের বারে। আনা দোক রেসমের কাপড় পরিষা धारक, बहे कांशज़ कांकीरल तृत्व मा, तृश्य खीरनारकता বুনে, রাণী কি অভিইডর জ্রীলোক সকলে বৃনিতে ार्ट्या बहु वश्मद इहेल, हेश्वाक लाक लहे (म्राम গ গাছের চাব করিতে আরম্ভ করিয়াছে: চা পাছস্কু ৰিয়া তিন হাত উচ্ছ হয়, জার তাহার পাচা **অতি** ছেট্ে, এই পাতা গ্রীয় কালে ভালিয়া রৌদেতে ভকান্ াত ,হুয়, পরে মন্দং আপ্তনের উপরে ভাহা তপ্ত করিয়া , ংক্তে সভাইতে হয়, পরে এই গন্ধ সভিত পাত: নিস্কু 🔏 अविसः क्षेत्रम द्वरण यक कृतिसः विकासकदियोव करनाः ामध्यादा अवकान साह। हा चक्रि श्रमान वानिकात मुख्य, । करनाः हेखेटकाशीय अवश्व अवास्त्र (मटलूकः स्नांक म**ह**ू वर्षे श्रक्ति विव का आहेश थाएक। का आहेबांक वह निरम् भिष्य शाजा महेरा विद्यूष्ट्य उधकरण विकारेरा हा ब्रिक्ट

ब्रिं भटकार गरे जन किनि कांग्र मुख निशे थाईरेक हन्। कामामरमरणंत धनणीता नगोरक किछ रमाना भा क्या बीव কারে স্মীয়া **জেলার এক পর্যতে ল**বনের আকর আছে: रंगरे मदन अर्थ (मर्ग्यू मदन चार्शका मामा ଓ विर्धन क्यांनाभरमरमञ्जू हाति मिला ए शब्द बार्ट्स, डाहाटड আনক অসভা লোক ৰাস করে, ভাছাদের মধ্যে রাখ: कांगरी, ग्वांसा, ८४किन, मिति, शानाभ, वाइस, अर क्रेंबर जानि थमिक। अहे शर्बरोग लाक मरून कि গ্রামে কি নগরে কাদ করে না, ভাহাদের এক ২ পরিয়া পৃথক ২ ক্ইয়া নিবিড় ক্লালের মধ্যে হর বাছে, আন ভাহাদের ধর নলনিমিতত টলের মত খুঁটির উপা স্থালিত, ভাছারা তুলা ও মরিচ চাল করিয়া ত ুৰৰা পঞ্মারিয়া দিৰপাত করে; এবপ তাহাদের আদ: ু**ৰ্যুৰোৰ বিচার নাই, কেননা ভাহা**র। কুকুর বিড**্**ল हैक्द्र अर्थाष्ठ थात्र : डाहारन्द्र ४र्घ ७ जासा सब्ह्र ।

०० वाक्षा

मूर्किशास वाहम शहक कहानह विमा श्रक्षान किन ता। (गृष्टे समारत समुद्दाता श्रेष्ठ ७ वर्ग ७ धमुकान वार युक्त कतिले, क्षित्र समान क्ष्यि वाहाराम मृक्ति हहेगार तम मान व्यक्ति शहल रक्षण स्थान ७ वर्ण्ड वार वृक्त कहे। व्यक्त श्रिक्त रक्ष्य स्थान व्यक्ति वाहान (१०)

हरी हैंब भी, देकबबा खाँस मूर्खन दाकि तन्त्र के बाहा जि जाब नीवरक अवश्वारम भाविरक भारतः आह भूरकरिक প্লাচীক বেষ্টিত নগরে থাকিয়া লোকেরা শতকে বড় ভর कदिं के ना, अधान अधान नशरत त्र शरधा । त्रका ना है, रक রনা কামানের গোলাতে অতি শক্ত প্রাচীর ভট হয় ও ाताला भागोरहेत छेशह निया मनात्त्व प्राक्षा (कला वाहा পুষ্ম ৫০০ বৰ্ষয় হটল ৰাফ্ৰের স্টিছয় ভাছার বিবরণ এই। সোরা ও গদ্ধক ও কয়লা মিশাললৈ বাক্ষ म्यः **व्यर्थाः २००** (मत् नोङ्ग कतिएड (शरम ५६ (सद मात्राहरू ३৫ (मत्र कर्रमा, ১० (मत्र शक्षक हाजि। शुधरप्र এই তিৰ দুবাকে পূথকা হ কতি স্থা করিছে৷ পিৰিতে ব্য. পরে ভাষ্য একল করিয়া কিন্তু লল হিয়া এক বঁলৈতে চালিয়া দেয়। সেই কলের নাম সাকুদ্যাত। গ্রী ফাঁডা প্রায় কল্র স্থানির ভুলা, আর ভাষ্য সম্য कोव केन किया घाए। बादा हालिठ हरू। वहें यां सार्क भरेक बार्ट्स २० कि २० अमरत्वत्र का विक स्वयं नः, शास्त्र यासन नातिरम अधिक विश्व हरा। शरत १ कि ৮ বিটা প্রাষ্ঠ যান্তা ভাষার উপর দিয়া চালাইলে ক্রমে হ अंक श्रकांक कारना काम: जल्म। ठाकाव शर्व वंडे कामा ন্লির। অন্য এক ছবে লইয়া যাউতে হয়। সেই-লানে এক পাত্ৰ আছে, সেই পাত্ৰেতে অনেক ছোটং ्रें मा खारहा जे कामा वह शारवंटक वाशिहा छाहात उथरत अक्षा काहे चक दृश्य हालिया धविरम कामा (क्रोंकेर बोहक्य मक इड्या के एकेंना निया मोटा शर्का है इतेय

প্ৰায় আৰু বাৰ কুলিয়া ৰক পিথাকে কাং : ন্ত্ৰী লিপার অর্থেক ভরিলে ভাষা বড় একডাঞ্চান ্রান্তিয়া অভি শীবু মুরাইডে হয়, ছাহাতে ঐ বীচ करून भवत्रत वर्तित रहेना जात्म ६ त्यांकास्त्रत रहे। हेर् ইংইলে বাজন পিপাছইতে বাহিত্ৰ করিয়া উক্লাইবং अर्गा अना अन रहाते वरत नहेना यथा। अहे हर्। क्षिम मिर्रा मिर्मू व नाम सामक क्ष्मा साहित और अस्ति क ुकेशरत योजन भागिका निरंख हम् ; आहे बरवृद्ध व्यवस्थित (माशात अरू हेनून चाष्ट्रः अहे हेनूरनष्ट्राचरत्रं वाहित श्राकिया श्रास्त्रत (देश, क्यांना अहे नेमुरानक सूध एशूयाप ह बद्धक वाहित्व चाल्डि। वह श्रकात बाह्यस वक्क इति। বারদ প্রস্তুত হয়, পরে ভাহা দিম্মতে কি ছোট মিপানে ভরিষা বাবে। সারুণ জাভি ভরানত বন্ধু কেননা এ^{ন প} अधिकना नातित्व मकन यशिया केंद्रिः स्नाव ठाराय 🖦 इंक् सा "रकास वरदा ३० रतह अधिकत्य युप्ति एतर." क्षार अधित माल, करव (महे यह छात्रश्राद रू - ऐरिहा (करण नत्, शांद्र युख मानूब बाह्रक, जुक्तहर बुक्क पुत्रः । बहै, निमिद्क चहन, ब्राह्म, बान्स, ब्राह्म मार्गः तर्। व्यातः वास्त्रस्थतः श्राद्धकः (१९७३) व्याप क्रमूहिक इस ।

Mark Private

्राष्ट्रको वेपालक काला काल, प्रिन्त अवना छारा-शुरु केका कालन, वेराक अक मुक्कास बहि शिक्षार ।

বংসর হইল জেমান দেশে বাক্র হৌদর নামক অভি ধার্মিক এক ব্যক্তি ছিল : সে কোন সময়ে বাণিজা করি-বার জনো দুই বন্ধ দহিত অনা দেশে যাত। করিল। अक मिन जाशामिशतक त्यांत तन मित्रा याहे एड हरेन, शास महाकित इंडेरन छाहाता अरे यरनद प्राथा निर्जन म्राप्त अक्षी शत मिथिए शाहेल। डाहार डाहारनत कत तिल, (इ छाइँद्रा, अहे भट्द द्राजितान করিলে ভাল হয় না। হৌসর বলিল, আমি ভনিরাছি, अरे दरन कारनक मगु खाएक, कि जानि अहे भव मगुरमव नामझान, किया अरे घरतत लाकरमत धरिक ममुलात গোল আছে, এ হরে থাকা ভাল নয় পরে ভাহার वन विनन, शान्तिम छए इस वर्षे, किन्न भारत उ उस, কেননা এট বন অতি বিষ্ণারিত আর বেলা প্রায় গেল। হৌদর বলিল, ভুমি যে কথা বল দে দতা, আর উপায় अपेट, आहेम, देवादाद छदमा कदिशा वह भारत गाँह। भारत पश्चित किन कर अड़े शहर शिन। किन्न अ बन्न बड़ শপরিস্থার ভাষাতে মেজ ও আদন দক্ষ ভাষা, ্চাজন ও পানপাত অতি অগ্রাহ্য, এবং দকল বস্তু वधक अ (य लात्कद्रा (महे घरत्र किन, काशास्त्र ভরানক মুখ ও কর্মবাকা। ইহা দেখিয়া ঐ ভিন हरनत प्रात चात्र गरमह जविन, (क्नता शह मिथिया িহির স্বভাব জানা ধার। কিছু ধাইলে পর তাহার। হরের কর্ত্তাকে বলিল, রাজি থাকিবার নিমিত্তে আমা-^{ভিন}কে একটা কুটরী দেও। কর্ত্তা ভাহাদিনকে উপর

ভালাতে লইয়া গিয়া সেথানে ছোট একটা কুচ্ছ (मथाहेंग्र) मिल । (मेंडे कुठेब्री ७ वर्ष व्यविद्धांत ७ छा: প্রদের থাকিবার উপযুক্ত স্থান, মনুষাদের নয় | কু৯ ब्रोब्र अक (कारनरक एडेराब्र करना किছू थए हिल, अह भाज, शांठे कि विष्टांना कि श्रुप्तील किछूडे फिन ना। चरत्र কর্ত্ত। বাহিরে গেলে ছৌদর আপন মুই জন দলিং ৰলিল, বৃক্তি আমর। বিপদে টেকিলাম, এই ছরে ত আছে এট পরের লোক ভাল নয় তাহারা অব-দমুন। পরে ভাহারা বার বন্ধ করিয়া সুড়কা দিল। আঃ হৌসরের দুই জন নশ্বু অভিশয় ক্লান্ত প্রযুক্ত থড়ে গ্রহ निमुप्ताल। (कोमत एकेमात खाता है। हे नाफिया मञ्जू ক্তিমান ইখরের ভঙ্কা করিয়া বলিল, হে প্রমেশঃ এই ভয়ানক স্থানেতে আমাদের কক্ষাকর, ভূমি রুণ क्रिंग्ल (क्र्र्ट् रि॰म: क्रिंग्ल भावित्व ना। भरत (আশন দৃষ্ট বন্ধুর কাছে শুইতে গেল, কিন্তু ভাগ্যর নি रुष मारे । पूरे श्रष्टादाद मग्राय (सीमद खानक लाकाम শব্ধনিতে পাইল, ভাহারা নীচের পরে আসিয়া ৮০ থাইতে বসিয়া অভিশয় গোলমাল করিতে লাগিল। ইহাতে হৌলর ব্ফিল, ইহারা পথিক লোক নয়, ইংকে **দমু**্, তাহার কোন সন্দেহ নাই। ভাহাতে সে উচিন আর বার হাটু পাভিয়া বলিল, হে পরমেশ্বর, 🧆 থানে দ্যার হাতে যদি মারা পড়িতে হয়, ভাছাও তে:-মার ইচ্ছা, আমি মহাপাপী আর বিনট হইবার যেভি বটে, ভুমি আমার প্রতি দয়া কর, আমাকে নরকে ^{ফে}

লিও না। এই কথা কহিয়া সে একেসারে নির্ভন, এবং সিংহর ন্যায় সাহদী হইল। পরে দে জাহিল, এই থানে আরো দুই জন আছে, ভাহাদের ও রক্ষা করা উঙিত। ভাহাতে সে ভাহাদিগকে জাকিয়া বলিল, উচন হে ভাইরা, এথান নিদার সময় নর। এথান জালিতে হয়-কেননা দ্যার। আসিয়াছে।

meet jame

or (महे क्याः

কিছু কণ পরে তাহারা উনিতে পাইল, দদ্যা দকল

দিছি দিয়া উপরে আনিতেছে, আর মরের কর্তা নাহিরে
থাকিয়া ছার খালিতে চেম্টা করিকেছে, কিন্তু পারে না,
কেননা ভাছা হড়কা দিয়া বন্ধ ছিল। শরে দে অতি
ভ্যানক রূপে গালি ও লাগ দিয়া চেঁচাইয়া বলিন, ও
রে বেটারা, দার খুলিয়া দে। প্রেন্স স্থির হইয়া উত্তর
দিল, রাত্রি প্রভাত হয় নাই, প্রভাত না শ্রুপে আনরা
খুলিব না। ইহা খনিয়া কর্তা ও ভাহার দলিয়া বলেতে
লার খুলিতে নানা চেন্টা করিল, কিন্তু ঐ তিন জন
ইম্বরের কাছে বল পাইয়া ভিডরে পাকিয়া লার এমন
লক্ষ রূপে চালিয়া ধরিল, ধে দ্যারা কিছু করিতে পানি
রিল না। ভাহাতে মরের কর্তা উন্ন্তের নাার রাগালিক হইয়া চেঁচাইয়া বলিল, কুড়ালি লইয়া আইন,
ঘার ভালিয়া ফেলি, ঐ তিন জনকে শিক্ষাই। এক জন
ইড়ালি আনিতে গেল; ভাহাতে হৌনর ও ভাহার দুই

जन नश्री छातिन, अथन चात्र छेशात्र नाहे, चामारमत् মৃত্যু উপস্থিত। হৌসর আর বার ইখরকে স্বরণ করিয়া बिनन, (इ श्रुष्डा दक्षा कर्त, किन्नु आमारमत हेव्हा मन ৰা হউক, তোমার ইচ্ছামত হউক। পরে যে বাজি कुषानि আনিতে গিরাছিল, দে কুড়ালি नইয়া উপরে আসিতেছিল, ও ঘরের কন্তা তাহাকে বলিতেছিল ভালুং শীঘু লইয়া আইফ; এমন সময়ে বাহিরে বনের মধ্যে হোড়ার শব্দ ও ভুরীর ধ্বনি ধনা গেল। ইহা গুনিবা মাত্র সকল দৃস্য ভয় পাইয়া শাস্ত্র নামিয়া অনঃ बाब मित्रा खत्रहरू शनाहेन। शद्र खाबारक हिंदा অন্তর্ধারী কথক জন রাজার চাকর আসিয়া গৈছিল। ভাহারা কোন বিশেষ কার্য্য পুষ্ক রাজিতে যাত্রং कबिए। वे उत्तव प्राप्ता शथ श्वाहशहिल। वालि প্রভাত হইলে अ छिन जन ইশ্বরের মূব করিয়া এই ভরানক ধর ছাড়িকা অতি শীবু চলিযা গেল।

**

৩৯ वानक माजन।

ক্লাভিক নামক এক জন ধর্ম উপদেশক বালক শিক্ষা ও শাসন বিষয়ে অভি নিপুণ ছিল। কোন সময়ে অক লাহেব আপন পুদ্রকে ভাহার কাছে আনিয়া বলিল, আপনি অনুগুহ করিয়া ইহার শিক্ষা ও শাসন করুন, এ পুত্রতী আমাকে অধিক মুখ্য দেয়, কেনবা সে অফি দুক্ত, সে যত উপদেশ ও শান্তি পাইয়াছে সকল নির্মক হট্যাছে: আমি ভাছার জন্যে অনেক চেক্টা করিয়াছি. ভাহাকে ধমকাইয়ান্তি, ভাহাকে মারিয়াভি, ভাহাকে উপবাদ করাইয়াছি ও অন্য লোকদের দাক্ষাতে লক্ষা দিয়াছি, কিন্তু দকল নিযুল হইন, ভাছার কুরাবহার শারিল না, দে অপমান ও মারি ও কুধা ও লজার ভয় करत ना। উপদেশক জিজাসিল, আপনকার পুল্লের गामन कदिवांत्र निमित्त भूता श गाहि अ छेनराम अ অপমান এ সকল ছাড়া আপনি অনা কোন উপায় কি करत्रव का। रम जिल्ला, यो कहिया छि, अक वाज मुरे मिकछ দুই রাত্রি অপ্রকারময় হরে সন্ধ করিয়া রাখিয়াছিলাম! উপদেশক জিজ্ঞাদিল, আপনি অনা কোন উপায় করেন मार्डे। मार्ट्स विनिन् में अक्रशांत मोन्नारत जार्राहरू ছরের বাহিরে দুট খণ্ট। প্রান্ত দাঁড় করিয়া রাশিয়া ছিলাচ আমি মান করিয়াছিলাম, শীংক্ত ভয় পাইয়া নমু হটাৰে কিন্তু কিছু হটালাল, পাৰে এই সকল শক্ত উপায় নিবুল দেখিয়া আখি ভাবিলাম, কিন্ধানি ডাইার প্রতি কোমল বাবহার করিলে দারিবে, পরে আমি ভাহাকে দুশিকিত নভা বালকদের সঙ্গে রাখিলাম, কিন্তু ডাহা-(मह प्राप्त) आप्रांत पृष्ठे श्रुल अरु कर पाव धाकिए। পরে যেরা পাইয়া বাহিছে দৌড়িয়া গিয়া অধন নালক-(मब्र माञ्ज (प्रम कविया। अहे मक्स एनिया जेशास्त्रक विनिन, अरे डेलाइ मक्न डेलवुक मध्। खामि बार बक **छे**लाव जानि। माह्य यालेन, (म कि। উल्लिक यालेन, আপনি অদুগুছ করিয়া আমাকে বলুন, আপনি কি

কথন আপন পুল্রের জন্যে ঈশরের কাছে প্রার্থনা করিয়াছেন। সাহেব বলিল, মিখ্যা কেন বলিব, তাহা আমি কথন করি নাই। তাহাতে উপদেশক বলিল, তবে যে দকল নিমূল হইবে, ইহার আশ্চর্য্য কি, আপনি এই বালককে এক বংসর আমার হরে রাখুন, আমি চেকী করিব, ইশ্বর অনুগুহ করিলে অসাধাও সাধ্য হয়, এবং যাহারা তাহার কাছে থাক্রা করে, তাহাদের কথা তিনি গুনেন, এ কথা নিশ্চয়। পরে দেই সাহেব আপন পুশ্রকে ঐ উপদেশকের হরে রাখিয়া গোল। আর দেই পুশ্র ইশ্বরের অনুগুহেনে ক্রমেং আপন কুবাবহার ছাড়িরা ভাল মানুষ হইয়া উচিল।

→○○○○○

8° श्रार्श्वकः।

বিধাতার সূজন থর নাহিক দুয়ার। যোগি পুরুষ ভাছে বৈশে দিরাছার॥ বর্থন পুরুষ দেউ ছয় বলবান। বিধাতার থর ভাঙ্গি করে ধান ২॥

পেশীকোষঃ

মন্ত্রেক ধরিয়া আনে হয়্যা য়ভুবান।
অপরাধ বিনে ভার করে অপমান॥
অপমানে গুণ ভার দূর নাহি বায়।
অবশেষে করি দের সম্বল উপায়॥

'n

বেগে ধার রখ খান না চলে এক পা।
 না চলে সারখি তার পদারিয়া গা য়
 হিঁয়ালি প্রসন্ধে পণ্ডিত দেহ মতি।
 অন্তরীক রথ ধায় ভূতলে সারখি।
 ক্রারোপ

क्वाटनाथक्रव

দেখিতে পুরুষ এক, মুখ দুই কার।
এক মুখে উগারেরে আর মুখে খায়।
মারিলে জীবন পার ভ্তাশ পরশো।
বুঝ ২ পণ্ডিল দতা মধে। বৈদে॥

8

मन्त्रल शर्भशी

অনশ ন্দান কিভি নাহি তাতে চাব!
 নাহি তাহে কাদা পানি নাহি তাহে আলী।
 বীজ ফেলিলে পুল্প হয় তো প্রচুর।
 আছুক পুল্পের কার্যানা হয় কর্রুঃ

ल:इ

৬ আন্তহীন মাজাকীণ যুগল দশন।
দুই দিগে লখ্ডক দন্তের মিলন ।
পানিযুক্ত হইয়া যদে দেক্তায় কাননে।
তক্ত সনে জীব কন্ত পরা। ২ আনে॥
ধরিয়া আনিয়া দেই দেকীপধুগণে।
ভক্তণ না করে ভারা বধয়ে পরালি॥
কহে কবি মাধব হিঁয়ালিক বন্ধ।
কুমুন্তি কি বুবিবে পণ্ডিতে লাগে ধন্ধ॥

ৰ ক্ষতিকা

🕆 "प्रेरमा प्रकेष नाम भागि ६ जुला 🕍 कृष्ठीत कक्ष्म नर्देश (मिन्टिन मि शिटन ॥ शिलिया वैशादि (यस (मर्स कशकान । চিয়ালি প্রয়ে পণ্ডিত দেহ মন।

म्ह्

जिराद्ध रवप्रम मि देशांन जान जारक। चार्काल बाहिक छान विधिद्र विभारक॥ खरणे धानरह नज़ प्रमुख विशास । হিঁয়ালি প্রবন্ধ পণ্ডিত তাব মনে।

করতলে কর ভার বার্পথে ধার। আগনি আহার করে পরে লয়া খার। আহার করিতে গেলে হয়তে: মরণ। সক্ত ২'পণ্ডিত ছে **সেই কোন** জন 🖟

্বত 🎺 তে, চারি মধ্যে দুই সাঁজে তিন পার চলে। ^१न ७ (१ छाँदै (६न ऋक्ष कारक दरन । न अंदर्ज वृक्टित्व भारत मुद्देशात्रिमियम । মূর্যেত বুকিতে নারে বৎসর চলিশে।